सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 157, नई दिल्ली । शनिवार, 17 अगस्त 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

जीवन हमेशा अपने सबसे अच्छे रूप में आने से पहले किसी संकट का इंतजार करता है।

03 मदरसा हज़रत निज़ामुद्दीन में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

06 नए नजरिए की जरूरत

08 मोटर कर्मचारी संघ का 78वें स्वतंत्रता दिवस मनाया गिया

केंद्र सरकार की सौगात; बिहार को मिला एक और एयरपोर्ट, जानें किन शहरों में दौड़ेगी मेट्रो

संजय बाटला

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने शुक्रवार को हुई बैठक में दो नए एयरपोर्ट और तीन मेट्रों प्रोजेक्ट के लिए मंजूरी दे दी है। जल्दी ही इन पर काम शुरू हो जाएगा। तीनों मेट्रो परियोजनाओं के 2029 तक संचालित होने की उम्मीद है।

केंद्रीय कैबिनेट की मीटिंग के बाद देश में कई अहम प्रोजेक्ट पर मुहर लगा दी गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फैसलों के बारे में बताते हुए कहा कि सरकार ने दो नए हवाई अड्डों और तीन मेट्रो प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है। इन मेट्रो प्रोजेक्ट्स में एक बेंगलुरु में शुरू होगा तो दो प्रोजेक्ट महाराष्ट्र में शुरू होंगे। वहीं बिहार को इस मीटिंग में खास तोहफा दिया गया। पटना से 28 किमी दूर बिहिटा में एयरपोर्ट के लिए 1413 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन मेट्रो प्रोजेक्ट्स से मध्यम वर्ग को सबसे ज्यादा मदद मिलेगी। आईटी हब कहे जाने वाले बेंगलुरु को इससे काफी मदद मिलेगी।

तीन बड़े मेट्रो प्रोजेक्ट्स पर लगी मुहर, 2029 तक मेट्रो हो जाएंगी शुरू

कैबिनेट मंत्री ने मेट्रो प्रोजेक्ट्स के बारे में बताते हुए कहा कि शहरों में मध्यम वर्ग के विकास में परिवहन एक बड़ा कारक है। शहरों में मध्यम वर्ग के लिए बुनियादी सुविधा के रूप में मेट्रो का पिछले 10 वर्षों में बहुत विस्तार हुआ है। 10 साल पहले जहां केवल 5 शहरों में मेट्रो थी, वहीं आज 21 शहरों में मेट्रो है। इसी को ध्यान में रखते हुए मंत्रीमंडल ने फैसला लिया है कि बेंगलुरु में मेट्रो रेल के तीसरे चरण में 44.65 किलोमीटर की लाइन का विकास होगा, जिस पर 15,611 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। इस लाइन पर 31 मेट्रो स्टेशन होंगे और इससे पीनिया औद्योगिक क्षेत्र, बन्नेरघट्टा रोड, आउटर रिंग रोड़ और तुमकुर औद्योगिक क्षेत्र के लिए आवागमन आसान होगा। इससे बेंगलुरु शहर में मेट्रो रेल का नेटवर्क 220 किलोमीटर पहुंच जाएगा और मेट्रो से नियमित सफर करने वाले यात्रियों की संख्या 26 लाख तक पहुंच जाएगी।

इसके अलावा ठाणे में मेट्रो रेल परियोजना के तहत 29 किलोमीटर की नयी

लाइन का निर्माण किया जाएगा, जिस पर 12,200 करोड़ रुपये की लागत आएगी। उन्होंने कहा कि ठाणे मेट्रो रेल का नेटवर्क मुंबई मेट्रो रेल नेटवर्क और निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन नेटवर्क से भी जुड़ेगा। इससे पुणे में मेट्रो रेल का नेटवर्क दोगुना हो जाएगा। कुल 22 स्टेशनों वाले इस मेट्रो मार्ग का निर्माण कार्य 2029 तक पूरा हो जाएगा, जिसमें तीन किलोमीटर तक का रास्ता अंडरग्राउंड होगा।

उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल ने पुणे में स्वारगेट से कातराज के बीच 5.46 किलोमीटर की नई लाइन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी है। इससे मार्केट यार्ड बिब्वेवाडी और बालाजी नगर जैसे इलाकों को फायदा होगा। इस परियोजना पर 2954.53 करोड़ रुपये खर्च होंगे और यह फरवरी 2029 तक चालू हो जाएगी।

बिहार को मिली नए एयरपोर्ट की सौगात

हवाई अड्डा परियोजना के बारे में श्री वैष्णव ने बताया कि पटना हवाई अड्डे पर बढ़ती भीड़ और शहर के भविष्य के विस्तार की आवश्यकताओं को देखते हुए पटना से करीब 28 किलोमीटर दूर स्थित बिहटा में सिविल हवाई अड्डे के विकास की नई परियोजना शुरू की जाएगी। इस पर 1413 करोड़ रुपये खर्च होंगे। बेहटा के सिविल हवाई अड्डे पर 66 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में टर्मिनल बिल्डिंग का निर्माण होगा, जिस पर भीड़-भाड़ के समय तीन हजार यात्रियों के आने जाने की सुविधा होगी। बिहटा हवाई अड्डे की सालाना क्षमता 50 लाख की होगी, जिसे एक करोड़ तक बढ़ाया जा सकेगा। इस हवाई अड्डे पर यात्रियों के लिए एक साथ दस विमान खड़े किया जा सकेंगे।

इसके अलावा मंत्रिमंडल ने बागडोगरा वायु सैनिक स्टेशन पर एक नया सिविल हवाई अड्डा बनाने की परियोजना को भी मंजूरी दी है। जिस पर 15.49 करोड़ रुपये की लागत आयेगी। वहां 70390 वर्ग मीटर क्षेत्र में टर्मिनल इमारत बनायी जाएगी।

रक्षाबंधन पर बहनें करेंगी बसों में निशुल्क यात्रा,आदेश जारी, ई-बसों में भी मिलेगी सुविधा

परिवहन विशेष न्यूज

18 अगस्त की रात 12 बजे से 19 अगस्त की रात 12 बजे तक महिलाओं की निशुल्क यात्रा का आदेश जारी किया है। साथ ही, शहर में संचालित ई-बसों में भी मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान की गई है।

अलीगढ़। रक्षाबंधन पर रोडवेज बसों से इस बार भी बहनें निशुल्क यात्रा करेंगी। यह सुविधा परिवहन निगम की सभी श्रेणियों की बसों में लागू होगी। प्रदेश सरकार ने 18 अगस्त की रात 12 बजे से 19 अगस्त की रात 12 बजे तक निशुल्क यात्रा का आदेश जारी किया है। साथ ही, शहर में संचालित ई-बसों में भी मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान की गई है।

अलीगढ़ परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक सत्येंद्र वर्मा ने बताया कि बहनों को बस परिचालकों की ओर से शून्य मूल्य का टिकट दिया जाएगा। दिल्ली-कानपुर समेत कई मार्गों पर 17 अगस्त से करीब 300 अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा। कुछ बसों के फेरे बढ़ाए जाएंगे, ताकि महिलाओं को किसी तरह की परेशानी न हो। चालक-परिचालकों के अवकाश निरस्त कर दिए गए हैं।

'50 नई अमृत भारत ट्रेन चलेंगी, चक्रधरपुर रेल मंडल ने माल भाड़े-यात्री किराए से की रिकॉर्ड कमाई'

नई अमृत भारत ट्रेन चलाने के बारे में चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम ने गुरुवार को जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि मंडल ने माल भाड़े से 4654 करोड़ रुपये और यात्री किराए से 177 करोड़ रुपये कमाए हैं। डीआरएम ने यह बातें स्वतंत्रता दिवस समारोह में शिरकत के दौरान कहीं। यहां उन्होंने तिरंगा फहराया और परेड की सलामी भी ली।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली/चक्रधरपुर। देश में शीघ्र ही उन्नत सुविधाओं से युक्त 50 नई अमृत भारत ट्रेनें चलाई जाएंगी। यह बात चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम एजे राठौड़ ने गुरुवार को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान रेल कर्मियों को संबोधित करते हुए कही।

डीआरएम ने यह भी कहा कि सभी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में कम से कम चार कोच जनरल के लगाए जा रहे हैं। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे ने टक्कर रोधी तकनीक कवच 4.0 को 900 किलोमीटर रूट पर उतारने का फैसला लिया है।

माल भाड़े से 4654 करोड़ रुपये की हुई कमाई: डीआरएम

उन्होंने कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष जुलाई माह तक चक्रधरपुर रेल मंडल ने लगभग 51.89 मिलियन टन माल ढुलाई की और इसी तरह इस वित्तीय वर्ष के जुलाई माह तक दैनिक और राजस्व लदान 6050 वैगन रहा।

चक्रधरपुर रेल मंडल ने माल ढुलाई से लगभग 4654 करोड़ रुपये अर्जित किया है। जो पिछले वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक है।

यात्री परिवहन से आय 138 करोड़ रुपये

डीआरएम ने कहा कि इस वर्ष यात्री परिवहन में 177 करोड़ रुपये की आय हुई है। जो पिछले वर्ष की तुलना में 28 फीसद अधिक है। वहीं, टिकट जांच से जुर्माना के तौर पर 5.33 करोड़ रुपये की वसूली हुई है।

अतिरिक्त अन्य कोचिंग आय से करीबन 10.49 करोड रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। इसके अलावे स्क्रैप बिक्री से मंडल से 35 करोड़ रुपये अर्जित किया है।

यात्री सुरक्षा पर विशेष ध्यान

डीआरएम ने कहा कि यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए रेल सुरक्षा बलों द्वारा सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आरपीएफ ने ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत यात्रियों के सामानों की चोरी में संलिप्त 65 अपराधियों को गिरफ्तार कर 22 लाख रुपये से अधिक चोरी की संपत्ति को जब्त किया है।

ऑपरेशन नारकोस के तहत आरपीएफ ने 67 लाख रुपये से अधिक कीमत की 655 किलो मादक एवं प्रतिबंधित सामान जब्त कर 64 अपराधियों को गिरफ्तार कर आबकारी विभाग को सौंपा है।

आरपीएफ ने 108 बालकों, बालिकाओं का बचाव कर उन्हें सुरक्षित अभिभावकों तथा चाइल्ड केयर सेंटर को सौंपा है। आरपीएफ ने चलती ट्रेन से गिरते हुए 8 यात्रियों की जान बचाई है।

पर्यावरण पाठशाला : सस्टेनेबल समाधान की सुंदर पेशकश - श्री वीर भान वर्मा के साथ 'मेरा घोंसला' की पहल

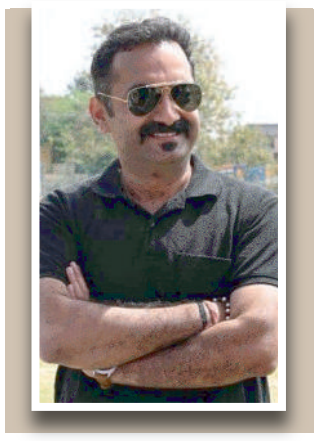

डॉ. अंकुर शरण

आज के समय में, जब पर्यावरणीय समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं, सस्टेनेबल (पारिस्थितिकीय) गिफ्टिंग एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गई है। पारंपरिक उपहार आमतौर पर प्लास्टिक और अन्य गैर-नवीकरणीय सामग्री से बने होते हैं, जो पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। इसके विपरीत, सस्टेनेबल गिफ्ट्स न केवल पर्यावरण की रक्षा करते हैं, बल्कि हमें एक जिम्मेदार उपभोक्ता बनने की दिशा में भी प्रेरित करते हैं।

"मेरा घोंसला" (MeraGhosla.com) इस दिशा में एक शानदार पहल है। यह पहल विशेष रूप से पर्यावरण की सुरक्षा और संसाधनों के कुशल उपयोग पर केंद्रित है। ₹मेरा घोंसला₹ और श्री वीर भान वर्मा ने बेकार वस्तुओं को पुनः उपयोग करके सुंदर और उपयोगी उत्पाद विकसित किए हैं।

श्री वीर भान वर्मा, जिनकी आर्ट और क्राफ्ट के प्रति गहरी रुचि है, ने पुराने अखबारों, कार्डबोर्ड बॉक्स, और अन्य पुनरावर्तनीय सामग्रियों से सुंदर बर्ड हाउस और डेकोर उत्पाद बनाए हैं। इन उत्पादों में पुरानी वस्तुओं को नई जिंदगी देने की कोशिश की गई है, जिससे कि कचरे की मात्रा कम हो और पर्यावरण पर कम दबाव पड़े।

इस पहल के अंतर्गत विकसित किए गए उत्पाद न केवल उपयोगी होते हैं, बल्कि वे एक सस्टेनेबल लाइफस्टाइल को भी प्रोत्साहित करते हैं। ये उत्पाद हर घर को न केवल सजाते हैं, बल्कि एक सशक्त संदेश भी देते हैं कि हम सभी को पर्यावरण की रक्षा के लिए जिम्मेदार बनना चाहिए।

"मेरा घोंसला" के साथ श्री वीर भान वर्मा का सहयोग हमें एक नई दिशा में सोचने और कार्य करने की प्रेरणा देता है। उनके द्वारा विकसित किए गए सस्टेनेबल उत्पाद न केवल हमारी जीवनशैली को सजाते हैं, बल्कि हमें संसाधनों का जिम्मेदार उपयोग करने की भी सीख देते हैं। इस प्रकार, सस्टेनेबल गिफ्टिंग आज के समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है, और "मेरा घोंसला" इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है।

यह संक्षिप्त परिचय श्री वीर भान वर्मा का है, जो एक अनुभवी शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। उन्होंने 37 वर्षों तक ₹स्किल डेवलपमेंट एंड इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग डिपार्टमेंट₹ में प्रधानाचार्य के पद पर कार्य किया और 2023 में सेवानिवृत्त हुए।

श्री वीर भान वर्मा की विशेषता उनके आर्ट और क्राफ्ट के प्रति गहरी रुचि है, जिसमें उन्होंने कार्डबोर्ड, पेड़ों की टहनियों, जड़ों, छाल, पत्थर, प्लाई बोर्ड के कटपीस, सुतली, प्लास्टिक वेस्ट, मिट्टी के बर्तन, आदि जैसे विभिन्न सामग्री से उपयोगी वस्तुएं और डेकोरेशन पीस बनाए हैं। वे पर्यावरण संरक्षण और पौधों की देखभाल में भी सक्रिय हैं, साथ ही पुराने सिक्के, नोट और डाक टिकटों का संग्रह भी करते हैं।

फरीदाबाद के बाल भवन में वे स्कूल स्तर की आर्ट एंड क्राफ्ट प्रतियोगिताओं के जज के रूप में कई वर्षों से सेवाएं दे रहे हैं। उनका मानना है कि किसी भी वेस्ट मटेरियल से उपयोगी वस्तुएं बनाई जा सकती हैं। सेवानिवृत्ति के बाद, वे अपने समय का उपयोग पर्यावरण संरक्षण और बेकार वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएं बनाने में कर रहे हैं, जिससे उन्हें आत्म संतोष मिलता है।

जब श्री वीरभान वर्मा जैसे अनुभवी और कुशल नेतृत्व में युवा और बच्चों को पर्यावरण शिक्षा प्राप्त होती है, तो वे ₹बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट₹ के सही मायने को समझ पाते हैं। श्री वीरभान वर्मा की पहल और उनकी कला की ओर की गई उनकी प्रतिबद्धता इस दिशा में प्रेरणादायक है।

उनका जीवन एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करता है कि कैसे बेकार वस्तुओं का उपयोग कर सुंदर और उपयोगी वस्तुएं बनाई जा सकती हैं। 'मेरा घोंसला' के माध्यम से वे इस दृष्टिकोण को न केवल साझा कर रहे हैं, बल्कि इसे स्कूलों और वर्कशॉप्स के माध्यम से भी लोगों के सामने प्रस्तुत करेंगे। यह पहल जल्द ही प्रदर्शनी के रूप में देखने को मिलेगी, जहाँ लोग श्री वीरभान वर्मा की कलाकृतियों और उनके काम को करीब से देख सकेंगे।

यदि आप भी इस तरह के कार्यों में संलग्न हैं या आपके पास ऐसे विचार हैं जो पर्यावरण और सस्टेनेबल गिफ्टिंग के क्षेत्र में योगदान कर सकते हैं, तो कृपया हमें संपर्क करें। अपने कार्य का संक्षिप्त परिचय और कुछ तस्वीरें निम्नलिखित ईमेल आईडी पर भेजें:

ईमेल: indiangreenbuddy@gmail.com

हम आपके विचारों और कार्यों को देखकर आपको हमारे आगामी प्रदर्शनों और कार्यशालाओं में शामिल करने के बारे में विचार करेंगे।

मानसून में डेंगू के गंभीर संक्रमण से बचने के लिए किन बातों का ध्यान रखें

मानसून के सीजन में डेंगू और चिकनगुनिया के मच्छर ज्यादा पैदा होते है। ऐसे में खुद की देखरेख और साफ-सफाई रखने की काफी जरुरत है। वहीं डेंगू के लक्षण की बात करें तो डेंगू बुखार में अचानक बुखार आना, गंभीर सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, मतली, उल्टी, ग्रंथियों में सूजन और दाने दिखाई देते हैं।

जैसे-जैसे मानसून के मौसम में मच्छरों के प्रजनन के लिए आदर्श स्थिति बन जाती है, कर्नाटक, केरल और महाराष्ट्र के शहरों में डेंगू का प्रकोप बढ़ रहा है। लेकिन अगर हम सतर्क रहें तो हम इस बीमारी पर काबू पा सकते हैं।

डेंगू के लक्षण

डेंगू बुखार में अचानक बुखार आना, गंभीर सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, मतली, उल्टी, ग्रंथियों में सूजन और दाने दिखाई देते हैं। ये आमतौर पर मच्छर के काटने के 4-10 दिन बाद दिखाई देते हैं और 2-10 दिनों तक रह सकते हैं। शीघ्र निदान आवश्यक है क्योंकि यह जल्दी ही गंभीर डेंगू में बदल सकता है, जिसे डेंगू रक्तस्रावी बुखार या डेंगू शॉक सिंड्रोम भी कहा जाता है, जब आपके रक्तप्रवाह में थक्का बनाने वाली कोशिकाओं (प्लेटलेट्स) की संख्या कम हो जाती है और आपकी रक्त वाहिकाएं इतनी क्षतिग्रस्त हो जाती हैं कि उनमें रिसाव होने लगता है। इससे सदमा, आंतरिक रक्तस्राव और अंग विफलता हो सकती है।

डेंगू का परीक्षण कब कराएं?

यदि आपके पास ऊपर बताएं गए लक्षण हैं, तो डेंगू एनएस1 एंटीजन परीक्षण के लिए जाएं, जो वायरस के गैर-संरचनात्मक प्रोटीन या पीसीआर परीक्षणों को मापता है। फिर चौथे या पांचवें दिन आईजीएम एंटीबॉडी परीक्षण लें जब आपको इसके होने की सबसे अधिक संभावना हो। संपूर्ण रक्त गणना (सीबीसी) करवाएं और यदि निदान हो, तो प्लेटलेट स्तर की जांच के लिए इसे वैकल्पिक दिनों पर दोहराएं। सबसे महत्वपूर्ण मार्कर में से एक पीसीवी (पैक्ड सेल वॉल्यूम) है, जो रक्त की चिपचिपाहट का माप है। यह लाल रक्त कोशिकाओं में वृद्धि या निर्जलीकरण का संकेत देता है।

हाइड्रेशन क्यों महत्वपूर्ण है?

आमतौर पर चार से पांच दिनों में बुखार कम होने के बाद मरीज बेहतर महसूस करता है और अगर मरीज ने बुखार और उल्टी के कारण तरल पदार्थ की कमी की भरपाई के लिए खुद को अच्छी तरह से हाइड्रेटेड नहीं रखा है, तो चौथे दिन के बाद जटिलताएं पैदा हो सकती हैं। तीन से पांच लीटर पानी या मौखिक पुनर्जलीकरण समाधान, नारियल पानी और साफ सूप लें। गंभीर डेंगू से प्लाज्मा रिसाव हो सकता है और अस्पताल में अंतःशिरा (IV) द्रव चिकित्सा की आवश्यकता हो सकती है।

डेंगू से कैसे बचें

प्लेटलेट स्तर और महत्वपूर्ण रूप से हेमटोक्रिट स्तर की निगरानी के लिए नियमित रक्त परीक्षण जटिलताओं का प्रबंधन कर सकता है। हेमेटोक्रिट स्तर आपके रक्त में लाल कोशिकाओं का प्रतिशत मात्र है। डेंगू में, बढ़ा हुआ हेमाटोक्रिट प्लाज्मा रिसाव का संकेत है, जबकि कम हेमाटोक्रिट रक्तस्राव का संकेत है। यदि प्लेटलेट का स्तर काफी कम हो जाता है, तो चिकित्सा हस्तक्षेप आवश्यक हो सकता है।

डेंगू रक्तस्रावी बुखार की शीघ्र पहचान के लिए हर 24 घंटे में और डेंगू रक्तस्रावी बुखार के गंभीर मामलों में हर 3-4 घंटे में हेमटोक्रिट स्तर की निगरानी की जानी चाहिए। दर्द निवारक और पेरासिटामोल जैसी बुखार कम करने वाली दवाएं लक्षणों को प्रबंधित करने में मदद कर सकती हैं। एस्पिरिन और इबुप्रोफेन जैसी गैर-स्टेरायडल विरोधी भड़काऊ दवाओं (एनएसएआईडी) से बचें, क्योंकि वे रक्तस्राव के खतरे को बढ़ा सकते हैं, जो डेंगू की एक गंभीर जटिलता है। अगर आप बेहतर महसूस करें तो खुद पर ज्यादा दबाव न डालें, इस स्थिति को न बिगड़ने देने के लिए आराम करना महत्वपूर्ण है।

कब है जन्माष्टमी 26 या 27? किस तारीख पर बन रहे श्रीकृष्ण के जन्म के जैसे संयोग

हर साल भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी को जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाता है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व 26 अगस्त, सोमवार को मनाया जाएगा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व भारत समेत पूरी दुनिया में धूम-धाम से मनाया जाएगा। जन्माष्टमी के महापर्व पर मंदिरों में बाल गोपाल का जन्म होता है। आइए जानते हैं कब है जन्माष्टमी?

हर साल भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व मनाया जाता है। जन्माष्टमी के दिन लोग व्रत रखते हैं और आधी रात को भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव मनाते हैं। इस बार भी 26 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व भारत समेत पूरी दुनिया में धूम-धाम से मनाया जाएगा। जन्माष्टमी के महापर्व पर मंदिरों में बाल गोपाल का जन्म होता है। आइए जानते हैं कब है जन्माष्टमी?

जन्माष्टमी का पंचांग

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 26 अगस्त, सोमवार को सुबह 3:39 बजे शुरू होगी। यह तिथि 27 अगस्त, मंगलवार को सुबह 2:19 बजे समाप्त होगी। उदयातिथि के आधार पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व 26 अगस्त, सोमवार को मनाया जाएगा।

बन रहा है शुभ योग

इस साल श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर जयंती योग बन रहा है। यह योग सबसे पहले द्वापर युग में भगवान श्री कृष्ण के जन्म के समय बना था। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान कृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्ण अष्टमी को रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। ज्योतिष के अनुसार, इस वर्ष कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर रोहिणी नक्षत्र 27 अगस्त को दोपहर 03:55 बजे से 03:38 बजे तक है। 26 अगस्त को जन्माष्टमी के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग भी बनेगा। उस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग दोपहर 03:55 बजे से 27 अगस्त को सुबह 05:57 बजे तक रहेगा। इस साल श्री पूजा का शुभ समय है। कृष्ण जन्माष्टमी 45 मिनट की है। 26 अगस्त को 12:01 AM से 12:45 AM तक जन्माष्टमी का शुभ मुहूर्त रात 12:01 बजे से व्रत रखा जाएगा।

पुत्र रत्न की कामना से किया जाता है श्रावण पुत्रदा एकादशी का व्रत, जानिए महत्व

आज यानी की 16 अगस्त को श्रावण पुत्रदा एकादशी का व्रत किया जा रहा है। नवविवाहित दंपतियों को इस व्रत के पुण्य-प्रताप से पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है और महिलाओं के सुख-सौभाग्य में वृद्धि होती है।

हर साल सावन महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को श्रावण पुत्रदा एकादशी मनाई जाती है। इस दिन महिलाएं पुत्र रत्न की प्राप्ति के लिए भगवान श्रीहरि विष्णु का व्रत कर विधि-विधान से लक्ष्मी-नारायण की पूजा-अर्चना करते हैं। यह व्रत स्त्री-पुरुष दोनों कर सकते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, नवविवाहित दंपतियों को इस व्रत के पुण्य-प्रताप से पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है और महिलाओं के सुख-सौभाग्य में वृद्धि होती है। आइए जानते हैं श्रावण पुत्रदा एकादशी की तिथि, शुभ मुहूर्त, पारण समय के बारे में...

शुभ मुहूर्त

बता दें कि 15 अगस्त की सुबह 10:26 मिनट पर सावन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरूआत हो रही है। वहीं 16 अगस्त को सुबह 09:39 मिनट पर इस तिथि का समापन होगा। ऐसे में 16 अगस्त को वैष्णव समाज संग सामान्यजन श्रावण पुत्रदा एकादशी का व्रत करेंगे। वहीं अगले दिन यानी की 17 अगस्त को सुबह 05:51 मिनट से लेकर सुबह 08:05 मिनट तक व्रत का पारण कर सकते हैं।

शुभ योग

श्रावण पुत्रदा एकादशी पर प्रीति योग का निर्माण हो रहा है। दोपहर 01:12 मिनट से प्रीति योग की शुरूआत हो रही है। वहीं सुबह 09:39 मिनट तक भद्राकाल का योग है। इस समय भगवान श्रीहरि की पूजा-अर्चना करते से जातक को भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 05:51 मिनट पर
सूर्यास्त - शाम 06:59 मिनट पर
चन्द्रोदय- शाम 04:32 मिनट पर
चंद्रास्त- देर रात 02:42 मिनट पर
ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04:24 मिनट से 05:08 मिनट तक
विजय मुहूर्त - दोपहर 02:36 मिनट से 03:29 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त - शाम 06:59 मिनट से 07:21 मिनट तक
निशिता मुहूर्त - रात्रि 12:04 मिनट से 12:47 मिनट तक

पूजन विधि

इस दिन सुबह जल्दी स्नान आदि कर व्रत का संकल्प लें। फिर एक लकड़ी की चौकी पर पीला वस्त्र बिछाकर उस पर भगवान श्रीहरि की प्रतिमा स्थापित करें। अब भगवान विष्णु को गंगाजल, पंचामृत आदि से स्नान कराएं और फिर फूल, माला, पीला चंदन आदि अर्पित करें। इसके बाद तुलसी दल के साथ भोग अर्पित करें। अब पुत्रदा एकादशी व्रत कथा पढ़ें या सुनें। इसके बाद विष्णु मंत्र, विष्णु चालीसा और अंत में भगवान विष्णु की आरती करें।

सिंह संक्रांति पर ऐसे करें सूर्य देव की पूजा, जानिए स्नान-दान का मुहूर्त

आज यानी की 16 अगस्त को सूर्य अपनी स्वराशि सिंह राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं। वह पूरे एक साल बाद इस राशि में आ रहे हैं। ऐसे में इस दिन स्नान-दान और पितर पूजन का विशेष महत्व होता है।

आज यानी की 16 अगस्त 2024 को सिंह संक्रांति मनाई जा रही है। संक्रांति यानी की जब सूर्य एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं, तो उसे संक्रांति कहा जाता है। बता दें कि सूर्य हर महीने राशि परिवर्तन करते हैं। ऐसे में वह जिस भी राशि में प्रवेश करते हैं, उस दिन को संक्रांति के रूप में मनाया जाता है। मान्यता के अनुसार, संक्रांति के दिन जो भी जातक सूर्य देव की पूजा-उपासना करता है, उसको दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की मिलती है और समाज में मान-सम्मान बढ़ता है।

आज यानी की 16 अगस्त को सूर्य अपनी स्वराशि सिंह राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं। वह पूरे एक साल बाद इस राशि में आ रहे हैं। ऐसे में इस दिन स्नान-दान और पितर पूजन का विशेष महत्व होता है। तो आइए जानते हैं सिंह संक्रांति 2024 की डेट, मुहूर्त और महत्व के बारे में...

सिंह संक्रांति डेट और शुभ मुहूर्त

बता दें कि 16 अगस्त 2024 को सिंह संक्रांति मनाई जा रही है। इस दिन सूर्य देव सिंह पर सवार होकर पूर्व दिशा की ओर गमन करेंगे। फिलहाल अभि सूर्य दक्षिणायन चल रहे हैं। इस दौरान सूर्य देव की पूजा-अर्चना करना शुभ फलदायी माना जाता है।

सिंह संक्रांति का क्षण - रात 07.54 मिनट
सिंह संक्रान्ति पुण्य काल - दोपहर 12:31 - शाम 06:58 अवधि
सिंह संक्रान्ति महा पुण्य काल - शाम 04:49 - शाम 06:58 अवधि

सिंह संक्रांति का महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए। यदि आप नदी में स्नान के लिए नहीं जा सकते हैं, तो नहाने के पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें। इसके बाद सूर्य देव की पूजा करें और क्षमतानुसार दान करें। इससे जातक को ऐश्वर्य, कीर्ति और बल प्राप्त होने के साथ आरोग्यता का वरदान मिलचा है।

राखी पर बहन को घुमाएं नैनीताल की ये तीन शानदार जगहें, ऐसे प्लान करें ट्रिप

अगस्त के महीने में नैनीताल का मौसम बेहद अच्छा होता है। ऐसे में आप अपनी बहन के साथ नैनीताल की कुछ खास जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। हम आपको बताने जा रहे हैं कि तीन दिन के नैनीताल की ट्रिप में अपनी बहन के साथ इन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

राखी का त्योहार आ रहा है। हर साल राखी के पर्व पर भाई अपनी बहनों को पैसे या फिर कोई गिफ्ट देते हैं। लेकिन इस रक्षाबंधन आप अपनी बहन के लिए कुछ अलग कर सकते हैं। इस बार राखी का पर्व नैनीताल की वादियों में गुजार सकते हैं। अगस्त के महीने में नैनीताल का मौसम बेहद अच्छा होता है।

ऐसे में आप अपनी बहन के साथ नैनीताल की कुछ खास जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि तीन दिन के नैनीताल की ट्रिप में आप अपनी बहन के साथ इन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क

अगस्त के महीने में आप अपनी बहन के साथ नैनीताल जिले के रामनगर में स्थित जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यह एक बेहद अच्छा पर्यटन स्थल है। बता दें कि जो भी नैनीताल घूमने आता है, वह जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क जरूर जाता है। सर्दियों में यहां का वातावरण अधिक सुंदर हो जाता है। वहीं बारिश के मौसम में हरा-भरा वातावरण यहां की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करता है।

भीमताल झील

तीन दिन के ट्रिप के दौरान आप भीमताल जाना न मिस करें। अगर आप और आपकी बहन को प्रकृति में समय बिताना पसंद है, तो यह जगह आपको निराश नहीं करेगी। यहां

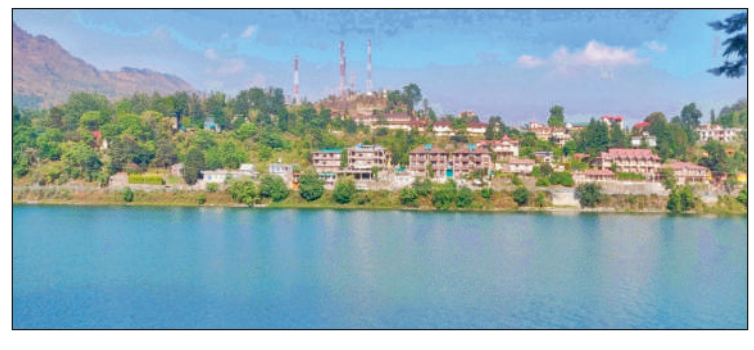

जाने के बाद आप अपनी बहन के फोटोग्राफी के शौक को भी पूरा कर सकते हैं। क्योंकि यह इतनी ज्यादा सुंदर जगह है, जिसे हर कोई अपने कैमरे में कैद करना चाहता है। भीमताल झील को देखना आपको सुकून का एहसास करवाएगा। यह उत्तराखंड की सबसे सुंदर जगहों में से एक है।

पंगोट

नैनीताल से करीब 15 किमी की दूरी पर स्थित पंगोट भी आपकी बहन को बेहद पसंद आएगी। आप 3 दिनों के ट्रिप के दौरान इस जगह को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। यह एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है, जिसको शांत वातावरण और प्रकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। पंगोट लगभग 6,300 फीट की ऊंचाई पर है। यह बेहद शांत और साफ-सुथरा हिल स्टेशन है। ऐसे में आप शहर के शोरगुल से दूर यहां पर सुकून भरे कुछ पल बिताने आ सकते हैं। इसके साथ ही आप यहां पर कैंपिंग और ट्रेकिंग भी कर सकते हैं।

रोजाना आहार शामिल करें मखाना, घर में बना सकते हैं ये 5 आसान डिशेज

हेल्दी रहने के लिए न जाने हम सभी क्या-क्या नहीं करते हैं लेकिन हेल्दी खाना कभी नहीं खाते हैं। मखाना सेहत के लिए बेहद हेल्दी होता है। इसे अपनी डाइट में जरुर शामिल करें। आज हम आपको इस लेख में मखाने की कुछ हेल्थी रेसिपी बताने जा रहे हैं। घर पर बनाएं कुछ स्वादिष्ट मखाने की व्यंजन।

हर व्यक्ति का स्वाद अलग-अलग होता है और अपना पसंदीदा भोजन करते हुए अपने स्वास्थ्य को बनाए रखना अक्सर एक चुनौती होती है। हर दिन, ऑनलाइन नए व्यंजन उपलब्ध होते हैं जो पौष्टिक तत्वों का उपयोग करते हैं और भोजन को काफी स्वादिष्ट भी बनाते हैं। ऐसा ही एक पौष्टिक खाद्य पदार्थ जिसने बहुत लोकप्रियता हासिल की है वह है फॉक्स नट्स यानी मखाना। यह अधिकांश घरों में स्नैकिंग विकल्प के रूप में उपलब्ध है। हालांकि, कई लोग इसे अपने नियमित आहार का हिस्सा बनाने के विभिन्न तरीकों के स्वास्थ्य लाभों के बारे में नहीं जानते हैं।

मखाना में सबसे ज्यादा प्रोटीन पाया जाता है। अधिकांश स्नैक्स गहरे तले हुए होते हैं या उनमें परिरक्षकों की उच्च मात्रा होती है, लेकिन फॉक्स नट्स का एक कटोरा कैलोरी को नियंत्रण में रखते हुए आपका पेट भर देगा। फॉक्स नट्स में उच्च मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं, जो आपकी त्वचा को चमकदार बनाने में कारगर हो सकते हैं। अन्य फायदों के अलावा, मखाने में फाइबर भी उच्च मात्रा में होता है, जो पाचन तंत्र को नियंत्रित करता है।

घर पर बनाएं कुछ स्वादिष्ट मखाने की व्यंजन

पालक मखाना

अपने नियमित पालक और पनीर के कॉम्बो के बजाय, इस स्वस्थ लेकिन स्वादिष्ट करी को आजमाएं। मलाईदार पालक की ग्रेवी में भुने हुए मखाने को मिलाकर बनाया जाने वाला यह व्यंजन नवरात्रि उत्सव के दौरान एक लोकप्रिय व्यंजन है। यह उन लोगों के लिए भी एक आदर्श नुस्खा हो सकता है जो कैलोरी सेवन के प्रति सचेत हैं।

मखाना रायता

दही, भुने हुए मखाने और मसाला पाउडर के मिश्रण से बना एक सरल भारतीय व्यंजन। यह पारंपरिक सब्जी या बूंदी रायता रेसिपी का एक सरल बदलाव है।

मखाना टिक्की

भुने हुए मखाने से बना एक स्वादिष्ट नाश्ता जिसे कुचलकर आलू के साथ मिलाया गया है और भारतीय मसालों के साथ पकाया गया है। बस, टिक्कियों को सभी तरफ से कुरकुरा और सुनहरा भूरा होने तक तलें। यह एक स्वस्थ नाश्ते का विकल्प है जो आपकी शाम की भूख को संतुष्ट कर सकता है।

मखाने की खीर

यह निस्संदेह फॉक्स नट्स के साथ सबसे लोकप्रिय व्यंजनों में से एक है। केसर और जायफल के स्वाद वाली गाढ़ी और स्वादिष्ट खीर आपके मीठे स्वाद के लिए एकदम सही है। भुने हुए मेवों के साथ-साथ गाढ़े दूध का स्वाद इस खीर को विशेष अवसरों पर पेश करने के लिए एक आदर्श मिठाई बनाता है।

मखाना सलाद

यदि आप ऐसे व्यक्ति हैं जो दोपहर के भोजन या रात के खाने में सलाद खाना पसंद करते हैं, तो अपने रोजमर्रा के मिश्रण में फॉक्स नट्स को शामिल करने का प्रयास करें। स्वस्थ सब्जियों और मसालों के साथ मिश्रित नट्स का कुरकुरापन आपके मुंह में स्वाद का विस्फोट कर देता है।

'तानाशाही के खिलाफ सबसे कठिन लड़ाई लड़ रहे हैं दिल्ली के सीएम', सिसोदिया ने केजरीवाल को दी जन्मदिन की बधाई

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली के मुख्यमंत्री और AAP के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल आज 56 साल के हो गए। वह आबकारी घोटाले के आरोप में जेल में बंद हैं। केजरीवाल के जन्मदिन पर मनीष सिसोदिया और दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी समेत पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बधाई दी है। पूर्व डिप्टी सीएम ने केंद्र सरकार पर हमला बोला।

नई दिल्ली। आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने जेल में बंद दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी सुप्रीमो 'देश में चल रही तानाशाही के खिलाफ सबसे कठिन लड़ाई' लड़ रहे हैं। मालूम हो कि शुक्रवार को केजरीवाल 56 साल के हो गए।

देश में चल रही तानाशाही के खिलाफ सबसे कठिन लड़ाई लड़ने वाले दिल्ली के मुख्यमंत्री, मेरे प्रिय मित्र और राजनीतिक गुरु अरविंद केजरीवाल जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। उन्होंने आगे लिखा, ₹हमें एक देशभक्त और क्रांतिकारी नेता के सैनिक होने पर गर्व है, जिन्होंने तानाशाह के सामने घुटने टेकने के बजाय जेल जाना पसंद किया। आज देश का लोकतंत्र अरविंद केजरीवाल के रूप में कैद है।

वहीं 'एक्स' पर एक पोस्ट में आप ने कहा कि अरविंद केजरीवाल एक ऐसा विचार है जिसे जितना अधिक दबाया जाता है वह उतना ही मजबूत होता जाता है। मंत्री आतिशी ने केजरीवाल को ₹आधुनिक भारत का क्रांतिकारी₹ बताया और विश्वास जताया कि वह जल्द ही जेल से बाहर आएंगे। आज आधुनिक भारत के क्रांतिकारी अरविंद केजरीवाल का जन्मदिन है, जिन्होंने अपने शासन मॉडल से दिल्ली की स्थिति बदल दी।

आतिशी ने आगे कहा कि अपनी ईमानदार राजनीति से दिल्ली के लोगों को नई आशा दी। तानाशाही से लड़ते हुए लाखों लोगों का भविष्य संवारने वाले अरविंद जी आज झूठे मामले में जेल में हैं। लेकिन सच्चाई की जीत होगी और दिल्लीवासियों के पसंदीदा मुख्यमंत्री की जीत होगी।

'संविधान पर पूरा भरोसा, सुप्रीम कोर्ट जल्द देगा न्याय', केजरीवाल के शुभचिंतकों को सुनीता ने बोला

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने वाले शुभचिंतकों को उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने धन्यवाद बोला है। सुनीता केजरीवाल ने कहा कि उन्हें संविधान पर पूरा भरोसा है सुप्रीम कोर्ट जल्द ही इस मामले में न्याय देगा। वहीं मनीष सिसोदिया राहुल गांधी आतिशी और राघव चड्ढा समेत तमाम लोगों ने केजरीवाल को बर्थडे की शुभकामनाएं दी हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने शुक्रवार को जेल में बंद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक को जन्मदिन की शुभकामनाएं भेजने के लिए लोगों को धन्यवाद दिया। सुनीता ने कहा कि उन्हें देश के संविधान पर पूरा भरोसा है। कहा कि सुप्रीम कोर्ट लोकतंत्र की रक्षा करेगा और चल रहे मामले में जल्द न्याय देगा।

सुनीता केजरीवाल ने एक्स पर किया पोस्ट

सुनीता केजरीवाल ने अपने एक्स (X) अकाउंट पर पोस्ट किया। पोस्ट में लिखा कि दिल्ली के लोग अपने सीएम अरविंद केजरीवाल के जन्मदिन पर शुभकामनाएं भेज रहे हैं। सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद। इस राजनीतिक साजिश में, मुझे संविधान पर पूरा भरोसा है। देश अभी भी बरकरार है और सुप्रीम कोर्ट लोकतंत्र की रक्षा करेगा और जल्द न्याय दिलाएगा। वहीं, दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और कहा कि "दिल्ली के सीएम देश में व्याप्त तानाशाही के खिलाफ सबसे कठिन लड़ाई लड़ रहे हैं।"

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री की जेल से रिहाई के बाद पहली बार वरिष्ठ आप नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया से मुलाकात की।

अगस्त में लगातार वर्षा ने 13 जबकि अधिक वर्षा ने तोड़ा तीन साल का रिकॉर्ड

मानसून पूर्व की वर्षा को लेकर इस बार दिल्ली खाली हाथ ही रही है। जून के पहले तीन सप्ताह बिल्कुल भी सूखे रहे। हालांकि 28 जून को जब मानसून ने दिल्ली में दस्तक दी तो रिकॉर्ड वर्षा हुई। एक ही दिन में लगभग 228 मिमी पानी बरस गया। जुलाई में वर्षा सामान्य रही। लेकिन अगस्त में फिर से यह रिकॉर्ड तोड़ रही है।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी पर इस साल मौसम और मानसून कुछ ज्यादा ही मेहरबान है। शायद इसीलिए अगस्त के पहले पखवाड़े में ही वर्षा ने सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। फिर वह चाहे काफी दिनों तक लगातार वर्षा होने का रिकॉर्ड हो और चाहे इस माह में अधिक बरसात होने का। मानसून पूर्व की वर्षा को लेकर इस बार दिल्ली खाली हाथ ही रही है। जून के पहले तीन सप्ताह बिल्कुल भी सूखे रहे। हालांकि 28 जून को जब मानसून ने दिल्ली में दस्तक दी तो रिकॉर्ड वर्षा हुई। एक ही दिन में लगभग 228 मिमी पानी बरस गया। जुलाई में वर्षा सामान्य रही। लेकिन, अगस्त में फिर से यह रिकॉर्ड तोड़ रही है।

केजरीवाल ने देश को शानदार शिक्षा-स्वास्थ्य का मॉडल देकर पूरी दुनिया में भारत का नाम ऊंचा किया : आप

सुषमा रानी

नई दिल्ली। 16 अगस्त देश में 'काम की राजनीति' के सूत्रधार, ''आप'' के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का जन्मदिन शुक्रवार को बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात समेत देशभर में आम आदमी पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं ने केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, केरल के सीएम पिनरई विजयन, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत कई दलों के नेताओं ने सीएम केजरीवाल को जन्मदिन की बधाई दी। दिल्ली में लाखों माताओं-बहनों और बुजुर्गों ने अपने बेटे व भाई अरविंद केजरीवाल की लंबी उम्र और उन्हें जल्द बाहर आने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। जबकि ''आप'' कार्यकर्ताओं ने तिहाड़ के बाहर केक काटकर मुख्यमंत्री को उनके जन्मदिन पर बधाई दी।

आम आदमी पार्टी का कहना है कि आजादी के 75 वर्षों में देश में पहली बार ऐसा नेता आया, जिसने 'काम की राजनीति' की शुरूआत की। अरविंद केजरीवाल देश में 'काम की राजनीति' के सूत्रधार हैं। उन्होंने देश को शानदार बिजली-पानी, शिक्षा-स्वास्थ्य का मॉडल देकर पूरी दुनिया में भारत का नाम ऊंचा किया। दिल्ली में माताओं-बहनों को मुफ्त बस सफर और बुजुर्गों को तीर्थयात्रा कराने वाले सीएम केजरीवाल आज अपने जन्मदिन पर एक साजिश के तहत तानाशाह की कैद में हैं।

सीएम अरविंद केजरीवाल के जन्मदिन पर उनकी धर्मपत्नी सुनीता केजरीवाल ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''दिल्ली के लोग अपने सीएम अरविंद केज़रीवाल के जन्मदिन पर बधाई भेज रहें हैं। सभी को बहुत धन्यवाद। इस राजनैतिक षड्यंत्र में मुझे पूरा विश्वास है कि देश का संविधान अभी क़ायम है। सुप्रीम कोर्ट लोकतंत्र की रक्षा करते हुए जल्द ही न्याय देगा।

''आप'' के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सीएम अरविंद केजरीवाल के जन्मदिन पर केजरीवाल के लिए बने गाने 'बंदे में है दम, वंदे मातरम' को पोस्ट किया और लिखा, ''देश में तानाशाही के खिलाफ सबसे कठिन लड़ाई लड़ने वाले दिल्ली के मुख्यमंत्री, मेरे प्रिय मित्र और राजनीतिक गुरु अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपने एक्स हैंडल से अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा कि देश की राजनीति को नई दिशा देने वाले क्रांतिकारी नेता और आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्य सभा सदस्य संजय सिंह ने अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की बधाई देते हुए अपने एक्स अकाउंट से चंद पंक्तियां पोस्ट करते हुए लिखा कि हम अमन चाहते हैं, मगर जुल्म के खिलाफ। गर जंग लाज़मी है, तो फिर जंग ही सही। अरविंद केजरीवाल की बहादुरी को सलाम, जन्म दिन की ढेर सारी शुभकामनाएं।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संगठन डॉ. संदीप पाठक ने सीएम केजरीवाल को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि उनका जन्मदिन हमारे और इस देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है। देश में घिसी-पिटी पुरानी राजनीति चल रही थी, उसे ध्वस्त कर एक नई राजनीति को देने का काम हरियाणा के शिवानी के बेटे अरविंद केजरीवाल ने किया है।

''आप'' दिल्ली के प्रदेश संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने ट्वीट कर लिखा, 'न सिर झुका है कभी, और न झुकने देंगे कभी, जो अपने दम पर जिएं, सच में जिंदगी है वही। देश की राजनीति को नई दिशा देने वाले हम सबके आदर्श दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

''आप'' के वरिष्ठ नेता और कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''आज हमारे नेता अरविंद केजरीवाल का जन्मदिन है और वे एक झूठे मामले में सलाखों के पीछे हैं। हनुमान जी से प्रार्थना है कि वे अपने भक्त अरविंद केजरीवाल जी के संकट को जल्द दूर करें।

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और मंत्री आतिशी ने 'एक्स' पर लिखा कि आज आधुनिक भारत के क्रांतिवीर अरविंद केजरीवाल का जन्मदिन है, जिन्होंने अपने शासन मॉडल से दिल्ली की दिशा बदल दी।

''आप'' के वरिष्ठ नेता और मंत्री इमरान हुसैन ने एक्स पर कहा, दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मैं आपके अच्छे स्वास्थ्य, लंबे जीवन और दिल्ली व देश की सेवा में निरंतर सफलता के लिए दुआ करता हूं।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हुए एक भावुक संदेश लिखा। उन्होंने कहा कि आज, हम केवल एक व्यक्ति का जश्न नहीं मना रहे हैं, बल्कि एक घटना का जश्न मना रहे हैं। अरविंद केजरीवाल, आपने साबित किया है कि ईमानदारी और सेवा राजनीति का केंद्र हो सकती है।

''आप'' के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य एनडी गुप्ता ने कहा, ''दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपकी प्रेरणादायक सोच और समर्पण ने न सिर्फ दिल्ली, बल्कि पूरे देश को प्रभावित किया है। आपकी लगन और नेतृत्व से हम सबको नई ऊर्जा मिलती है।

''आप'' के राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि अरविंद केजरीवाल वो विचार है, जिसे जितना दबाया जाएगा, वह उतना ही मज़बूत और मुखर होगा।

''आप'' हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता ने एक्स पर लिखा कि आम आदमी के नेता, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की अशेष शुभकामना

पंजाब से ''आप'' के राज्य सभा सदस्य मलविंदर सिंह कांग ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री और हमारे राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर कहा, ''दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आशा करता हूं कि आप स्वस्थ रहें, खुशहाल रहें। अन्याय के विरुद्ध इस युद्ध में इंडिया आपके साथ है।

केरला के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने एक्स सीएम अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा है कि यह दिन आपके संकल्प को मजबूत करे और आपको न्याय और लोगों की सेवा के प्रति समर्पण की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करे।

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने ट्वीट कर कहा, ''दिल्ली के माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की बधाई। जिस तरह आपकी पार्टी आपके साथ मजबूती से खड़ी है, उसी तरह जनता भी आपको उसी संकल्प के साथ समर्थन देती रहेगी। यह वर्ष जनता की सेवा के प्रति आपके अथक समर्पण को और मजबूत करेगा।''

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कहा, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं और अन्याय के खिलाफ संघर्ष के लिए अनंत शक्ति की कामनाए।

गांव हमीदपुर की ग्रामीण महिलाओं ने किया ध्वजारोहण

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

उत्तरी बाहरी दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्र के गांव हमीद पुर की ग्रामीण महिलाओ के जनसमूह में पहली बार स्वतंत्रा दिवस पर ध्वजारोहण किया। ग्रामीण महिलाओ का नेतृत्व बबीता मान व कोशल शर्मा ने किया।

इस मौके पर बबीता मान का कहना है कि ग्रामीण महिलाओ ने चूला चोखा, छाड़ू-पौछा, बर्तन से अलग एक मिसाल पेश की है। कोशल शर्मा का कहना है कि आज ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओ द्वारा इक्ट्ठा हो कर जो स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण किया है उससे महिलाओ का मनोबल बढेगा। देश की प्रथम नागरिक महिला राष्ट्रपति देश का गौरव है। ग्रामीण महिला देवी ने बताया कि हम भी किसी से कम नहीं है।आज स्वतंत्रता दिवस पर हम प्रतिज्ञा लेते है कि गांव की सभी समस्याओ को हम अब स्वयं प्रमुखता से उठाएगे।आज के इस कार्यक्रम से हम सभी ग्रामीण महिलाओ का हौंसला बडा है। आज हम भी शहरी महिलाओ की तरह अपनी भागीदारी देकर राष्ट्र की धारा में शामिल हो गए है।

'स्त्री 2' के प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन हुआ दिल्ली में

सुषमा रानी

आमतौर पर जब कोई फिल्म रिलीज होने वाली होती है, तो उससे पहले उसका प्रमोशन किया जाता है। मीडिया के साथ फिल्म के कलाकार और निर्माता—निर्देशक अपनी बात और अपने अनुभव को साझा करते हैं, फिल्म के बारे में चर्चा करते हैं। लेकिन, हाल ही में आयोजित फिल्म 'स्त्री 2' की प्रेस कॉन्फ्रेंस इस परंपरा को तोड़ती नजर आई। श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना जैसे कलाकार राजधानी दिल्ली की मीडिया से मुखातिब तो हुए जरूर, लेकिन अपनी इस फिल्म की रिलीज के बाद। प्रेस कॉन्फ्रेंस यहां के इंपीरियल होटल में आयोजित किया गया था। यह फिल्म 15 अगस्त 2024 को ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।

इस फिल्म से जुड़े अपने अनुभव के बारे में श्रद्धा कपूर ने कहा, "स्त्री' फ्रेंचाइज में मुझे कास्ट करने के लिए मैं निर्माताओं की बहुत आभारी हूं, क्योंकि ऐसे बेहतरीन अभिनेताओं के साथ काम करना हमेशा के लिए एक बेहतरीन अनुभव रहता है।' वहीं, राजकुमार ने कहा, 'मैं 'स्त्री' की टीम के साथ और भी ज्यादा काम करने के लिए उत्सुक हूं।' उल्लेखनीय है कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में फिल्म की स्टारकास्ट के साथ-साथ निर्माता दिनेश विजान और निर्देशक अमर कौशिक भी मौजूद थे।

न्यू हॉराइज़न स्कूल में मनाया गया 78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। न्यू हॉराइज़न स्कूल ने इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया I इस वर्ष 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपलक्ष में विद्यालय के प्रांगण में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए साथ ही तिरंगा यात्रा भी निकाली गईI समारोह में सर्वप्रथम विद्यालय की प्रबंधन कमेटी- श्रीमान शबी अहमद साहब अध्यक्ष (WEDO), श्रीमान कमाल फारुकी साहब(चेयरमैन), श्रीमान सुल्तान चौधरी साहब, (मुख्य सचिव) श्रीमान शारिक़ अहमद साहब (प्रबंधन सदस्य), श्रीमती सुमेरा खान (प्रधानाचार्य) के करकमलों द्वारा ध्वजारोहण किया गया व सभी को 78वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी गईं I उपरांत गीत, संगीत, नृत्य, परेड, झांकी आदि रंगारंग कार्यक्रम हुए I बाद में श्री कमाल फारुकी द्वारा विद्यार्थियों को आज़ादी के महत्व, क्रांतिकारियों के बलिदान व आज़ादी का अमृत महोत्सव विषय पर भाषण दिया गयाI साथ ही प्रबंधन कमेटी द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता होने पर पुरस्कृत किया गयाI सभी ने आज़ादी के इस महोत्सव को बड़े उत्साह व लगन के साथ मनाया। अंत में प्रधानाचार्या महोदया सुश्री सुमेरा खान द्वारा सभी का धन्यवाद किया गया।

मदरसा हज़रत निज़ामुद्दीन में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता और प्रदर्शनी का अयोजन

नई दिल्ली: बाहरी दिल्ली के किराड़ी विधान सभा क्षेत्र में स्थित मदरसा हज़रत निज़ामुद्दीन के प्रांगण में भव्य स्वतंत्रता समारोह का आयोजन अखिल भारतीय आज़ाद एकता भाई चारा समिति की ओर से किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पुर्व निगम पार्षद भाई पुष्प राज , विशिष्ठ अतिथि के रूप में पुर्व निगम पार्षद सुरजीत पवार, मनोज मलिक ,प्रधान राजकुमार ,हाफिज गुलाम सरवर उपस्थित थे ।झंडोत्तलन के बाद मदरसा हज़रत निज़ामुद्दीन वा मदरसा गुलशन ए मुस्तफा के छात्र छात्राओं ने राष्ट्रगान समेत हिन्दी, उर्दू, इंग्लिश में भाषण किया और चित्रकला का प्रर्दशन किया। प्रतियोगी छात्र छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरुस्कृत किया गया साथ ही साथ मदरसा के संचालक व शिक्षक को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष शब्बीर अहमद मंसूरी ने समस्त अतिथियों समेत मदरसा हज़रत निज़ामुद्दीन के सभी पदाधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना देते हुए आभार प्रकट किया।

अतिथियों ने स्वतंत्रता दिवस के बारे बात करते हुए कहा कि इस देश की आज़ादी में हमारे बुजरूगों का बहुत बड़ा योगदान है, देश को आज़ादी दिलाने के उन्होंने कुर्बानियां दी और अपना जान व माल सब कुछ देश के लिए कुर्बान कर दिया, उनकी कुरबानियां को कभी भुलाया नहीं जा सकता, इसलिए हमारा कर्तव्य है कि उनकी कुरबानियां याद करें और शहीदान ए वतन को श्रद्धांजलि अर्पित करें।

जेपी क्लासिक में लिफ्ट हादसा: टला बड़ा खतरा, लेकिन कब तक?

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा: जेपी सेक्टर 134 स्थित क्लासिक की बी 2 बिल्डिंग में बीते दिनों एक बेहद खौफनाक घटना घटी, जो एक परिवार के लिए काल बन सकती थी। समाजसेवी श्री रंजन तोमर का परिवार, जिसमें उनकी पत्नी श्रीमती राखी तोमर चौहान, बड़ी बहन श्रीमती संगीता चौहान, उनकी पुत्री तन्वी चौहान, और उनके दो छोटे बच्चे—4 वर्षीय रूद्र प्रताप सिंह तोमर और 4 माह की पुत्री तेजस्विनी शामिल थे, एक गंभीर लिफ्ट दुर्घटना का शिकार हो गया।

परिवार पाँचवीं मंजिल पर जाने के लिए लिफ्ट में चढ़ा था, लेकिन अचानक लिफ्ट ने नीचे गिरना शुरू कर दिया। यह स्थिति इतनी भयावह थी कि लिफ्ट में बैठे लोगों में हाहाकार मच गया। किस्मत अच्छी थी कि लिफ्ट तीसरी मंजिल पर झटके से रुक गई और कुछ क्षण बाद उसका गेट खुल गया, जिससे सभी लोग सुरक्षित बाहर आ सके। इस घटना के दौरान लिफ्ट में तीन अन्य लोग भी मौजूद थे, जिन्होंने बताया कि यह लिफ्ट पहले भी इस तरह की समस्याओं का सामना कर चुकी है, लेकिन बिल्डर द्वारा मेंटेनेंस की अनदेखी की जा रही है।

नोएडा शहर में आए दिन हो रहे लिफ्ट हादसों से लोग परेशान हैं। बड़ी चिंता की बात यह है कि कई बार ऐसे हादसे लोगों की जान तक ले लेते हैं, और इसके बावजूद बिल्डर या संबंधित प्राधिकरण इसे गंभीरता से नहीं लेते। यदि इतने बड़े और महंगे अपार्टमेंट में भी मूलभूत सुविधाओं की कमी होती है, तो वहाँ घर लेने का क्या लाभ?

इस हादसे ने एक बार फिर से इस गंभीर मुद्दे की ओर ध्यान खींचा है, कि कैसे बड़े-बड़े फ्लैट्स में रहने वाले लोग छोटी-छोटी सुरक्षा सुविधाओं के अभाव में अपने जीवन को जोखिम में डालते हैं। यह घटना एक चेतावनी है कि जब तक बिल्डर्स और संबंधित अधिकारी जिम्मेदारी नहीं लेते, तब तक ऐसे हादसे होते रहेंगे और लोगों की जान खतरे में रहेगी।

यह सवाल हम सभी के सामने है: क्या हम सिर्फ बड़ी इमारतों की चमक-दमक को देखकर उनमें रहने का फैसला करते रहेंगे, या फिर हम सुरक्षा और गुणवत्ता को भी उतना ही महत्व देंगे? आज की घटना से बड़ा हादसा तो टल गया, लेकिन अगर इस ओर जल्द ध्यान नहीं दिया गया, तो अगली बार किसकी बारी होगी?

टोटका करने के लिए चाहिए था सिर, युवक की गर्दन काटकर की हत्या, लाश फेंककर हुए थे फरार; अब हत्थे चढ़े हत्यारे

परिवहन विशेष न्यूज

साहिबाबाद में एक युवक की हत्या का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। दो युवकों को टोटका करने के लिए सिर चाहिए था इसलिए उन्होंने एक युवक को दिल्ली के कमला नगर मार्केट स्थित कमरे में ले जाकर हत्या कर दी थी। आरोपितों ने युवक की गर्दन काटकर मौत के घाट उतारा था। अब पुलिस ने वारदात का खुलासा करते हुए हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया है।

गुरुग्राम। टीला मोड़ थाना क्षेत्र में 22 जून को लोनी भोपुरा रोड पर सड़क किनारे सिर कटा शव मिलने के मामले का पुलिस ने शुक्रवार को पर्दाफाश कर दिया।

टोटका करने के लिए चाहिए था सिर

पुलिस की जांच में पता चला कि दो लोगों को टोटका करने के लिए युवक का सिर चाहिए। दोनों ने एक युवक को नशे में देखकर उसके पकड़ लिया। इसके बाद उसे दिल्ली के कमला नगर मार्केट स्थित कमरे में ले गए, जहां युवक की गर्दन काटकर हत्या कर दी।

वारदात के बाद आरोपित हुए थे फरार

बताया गया कि हत्या की वारदात करने के बाद आरोपित ऑटो से शव को लाकर टीला मोड़ में लोनी भोपुरा रोड पर फेंक दिया। इसी रास्ते से वापस दिल्ली फरार हो गए।

ऑटो तक ऐसे पहुंची पुलिस

उधर, पुलिस को घटना के दौरान ऑटो के पीछे एक प्लास्टिक का ट्राई एंगल लगा हुआ दिखा था। पुलिस इससे ऑटो तक पहुंची और पूरी घटना का राजफाश करने हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया।

'पहले आओ, पहले पाओ'; गाजियाबाद में घर खरीदने का सपना होगा पूरा, GDA ने लांच की 1748 फ्लैटों की योजना

गाजियाबाद फ्लैट योजना में घर खरीदने की चाह रखने वालों के लिए बड़ी खबर है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने 1748 फ्लैटों की योजना लांच की है। इसके तहत 16 अगस्त से 15 सितंबर 2024 तक आवेदन किया जा सकता है। भूखंडों की नीलामी 20 सितंबर 2024 को हिन्दी भवन में होगी। जीडीए ने कहा है कि हरनंदीपुरम योजना विकसित करने के लिए सभी अधिकारी ठोस कदम उठाएं।

परिवहन विशेष न्यूज

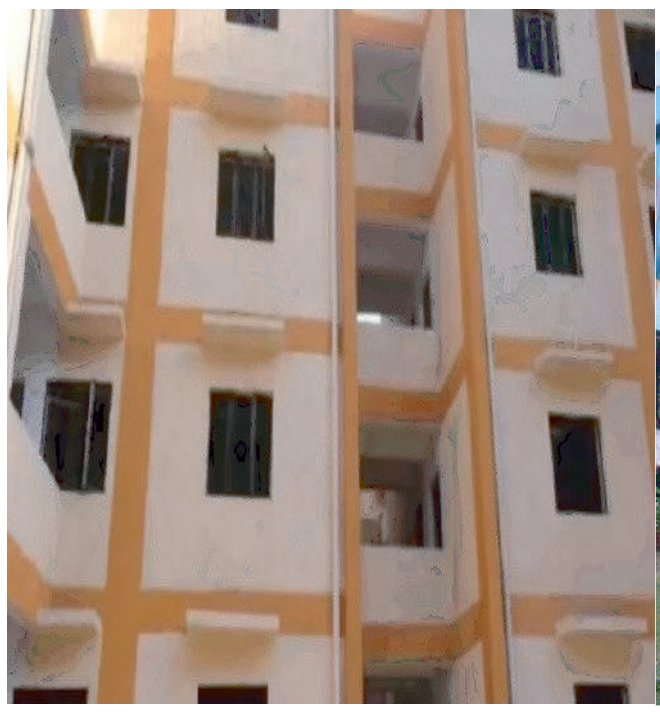

ग्रेटर नोएडा। गाजियाबाद। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जीडीए कार्यालय परिसर में जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने 78 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 1,748 फ्लैटों की योजना लांच की है।

ये फ्लैट जीडीए की विभिन्न योजनाओं में शामिल

ये फ्लैट (Ghaziabad flats rates) जीडीए की विभिन्न योजनाओं में हैं। पहले आओ पहले पाओ योजना के तहत ये फ्लैट दिए जाएंगे। इसके अलावा प्रस्तावित हरनंदीपुरम के लिए सर्वे का कार्य भी बृहस्पतिवार को जीडीए की टीम ने शुरू कर दिया है।

इसके अलावा गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (GDA) द्वारा 103 व्यावसायिक संपत्ति और खाली भूखंडों को लेकर भी योजना लांच की गई है। जिसके लिए 16 अगस्त से 15 सितंबर 2024 तक आवेदन कर सकते हैं। भूखंडों की नीलामी 20 सितंबर 2024 को हिन्दी भवन में की जाएगी।

योजना विकसित करने के लिए सभी अधिकारी उठाएं कदम-GDA

उपाध्यक्ष ने नया गाजियाबाद के रूप में प्रस्तावित हरनंदीपुरम योजना विकसित करने के लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को संकल्प लेते हुए ठोस कदम उठाने के लिए कहा।

उपाध्यक्ष ने आगे कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए देश की आजादी में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले भारत माता के वीर सपूतों को याद करते हुए कार्यक्रम का समापन किया। प्रस्तावित हरनंदीपुरम के सर्वे का कार्य भी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में बृहस्पतिवार को शुरू किया गया।

ग्रेटर नोएडा में कल सभी अस्पतालों की ओपीडी और आइपीडी सेवाएं रहेंगी बंद

परिवहन विशेष न्यूज

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक महिला चिकित्सक के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के विरोध में आईएमए ग्रेटर नोएडा के आह्वान पर शनिवार सुबह छह बजे से 24 घंटे के लिए शहर के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों की ओपीडी और आइपीडी सेवाएं बंद रहेंगी। इस दौरान सिर्फ इमरजेंसी सेवा ही संचालित रहेगी। शाम को कैंडल मार्च भी निकाला जाएगा।

ग्रेटर नोएडा। हाल ही में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक महिला चिकित्सक के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के विरोध में आईएमए ग्रेटर नोएडा के आह्वान पर शनिवार सुबह छह बजे से 24 घंटे के लिए शहर के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों की ओपीडी और आइपीडी सेवाएं बंद रहेंगी। इस दौरान सिर्फ इमरजेंसी सेवा ही संचालित रहेगी।

इस विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य पीड़ित के लिए त्वरित न्याय, देशभर में चिकित्सा पेशेवरों के लिए सख्त सुरक्षा उपाय और सुरक्षात्मक नीतियों के तत्काल कार्यान्वयन की मांग करना है। आईएमए ग्रेनो अध्यक्ष डॉ. विनीत त्यागी और सचिव सेक्रेटरी डॉ. अभिसार कटियार ने बताया कि चिकित्सा समुदाय से इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है।

शाम को निकाला जाएगा कैंडल मार्च

उन्होंने बताया कि शनिवार देर शाम कैंडल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन भी किया जाएगा। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भी ओपीडी और आइपीडी सेवाएं बंद रहेंगी।

तानाशाह नहीं हैं प्रधानमंत्री मोदी! आलोचकों की परवाह न कर अपनी राह चलते हैं

किसी व्यक्ति की लोकतांत्रिकता उसकी अपने दल के साथियों से किए जा रहे व्यवहार से आंकी जाती है। मोदी यहां चौंकाते हुए नजर आते हैं। वे दल के सर्वोच्च नेता हैं किंतु उनका व्यवहार 'आलाकमान' सरीखा नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में कुछ तो खास है कि वे अपने विरोधियों के निशाने पर ही रहते हैं। इसका खास कारण है कि वे अपनी विचारधारा को लेकर स्पष्ट हैं और लीपापोती, समझौते की राजनीति उन्हें नहीं आती। राष्ट्रहित में वे किसी के साथ भी चल सकते हैं, समन्वय बना सकते हैं, किंतु विचारधारा से समझौता उन्हें स्वीकार नहीं है। उनकी वैचारिकी भारतबोध, हिंदुत्व के समावेशी विचारों और भारत को सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बनाने की अवधारणा से प्रेरित है। यह गजब है कि पार्टी के भीतर अपने आलोचकों पर भी उन्होंने कभी अनुशासन की गाज नहीं गिरने दी,यह अलग बात है कि उनके आलोचक राजनेता ऊबकर पार्टी छोड़ चले जाएं। उन्हें विरोधियों को नजरंदाज करने और आलोचनाओं पर ध्यान न देने में महारत हासिल है। इसके उलट पार्टी से नाराज होकर गए अनेक लोगों को दल में वापस लाकर उन्हें सम्मान देने के अनेक उदाहरणों से मोदी चकित भी करते हैं।

किसी व्यक्ति की लोकतांत्रिकता उसकी अपने दल के साथियों से किए जा रहे व्यवहार से आंकी जाती है। मोदी यहां चौंकाते हुए नजर आते हैं। वे दल के सर्वोच्च नेता हैं किंतु उनका व्यवहार 'आलाकमान' सरीखा नहीं है। आप उन्हें तानाशाह भले कहें, किंतु तटस्थ विश्लेषण से पता चलता है कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद आजतक उनकी आलोचना करने वाले अपने किसी साथी के विरूद्ध उन्होंने कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होने दी। कल्पना करें कि किसी अन्य दल में अपने आलाकमान या सर्वोच्च नेता की आलोचना करने वाला व्यक्ति कितनी देर तक अपनी पार्टी में रह सकता है। नरेंद्र मोदी यहां भी रिकार्ड बनाते हैं। जबकि भाजपा में अनुशासन को लेकर कड़ी कारवाईयां होती रही हैं। भाजपा और जनसंघ के दिग्गज नेताओं में शामिल रहे बलराज मधोक से लेकर कल्याण सिंह, उमा भारती, बाबूलाल मरांडी, बीएस येदुरप्पा जैसे दिग्गजों पर कार्रवाइयां हुई हैं, तो गोविंदाचार्य पर भी एक कथित बयान को लेकर गाज गिरी। उन्हें अध्ययन अवकाश पर भेजा गया, जहां से आजतक उनकी वापसी नहीं हो सकी है। मोदी का ट्रैक अलग है। वे आलोचनाओं से घबराते नहीं और पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र की छूट देते हुए अपने आलोचकों को भरपूर अवसर देते हैं।

यह कहा जा सकता है कि मोदी आलोचनाओं के केंद्र में रहे हैं, इसलिए इसकी बहुत परवाह नहीं करते हैं। वे कहते भी रहे हैं कि उनके निंदक जो पत्थर उनकी ओर फेंकते हैं, उससे वे अपने लिए सीढ़ियां तैयार कर लेते हैं। 2014 में उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद पार्टी के भीतर भी उनके आलोचकों और निंदकों की पूरी फौज सामने आती है, जो तमाम मुद्दों पर उन्हें घेरती रही है। आश्चर्यजनक रूप से मोदी उनके विरूद्ध पार्टी के अनुशासन तोड़ने जैसी कार्यवाही भी नहीं होने देते हैं। इसमें पहला नाम गाँधी परिवार से आने वाले वरूण गांधी का है, जिन्हें भाजपा ने सत्ता में आने के बाद संगठन में महासचिव का पद दिया। वे सांसद भी चुने गए। किंतु पार्टी संगठन में उनकी निष्क्रियता से महासचिव का पद चला गया और वे मोदी के मुखर आलोचक हो गए। अपने बयानों और लेखों से मोदी को घेरते रहे। बावजूद इसके न सिर्फ उनको 2019 में भी लोकसभा का टिकट मिला, बल्कि आज भी वे पार्टी के सदस्य हैं। खुलेआम आलोचनाओं और अखबारों में लेखन के बाद भी उन्हें आज तक एक नोटिस तक पार्टी ने नहीं दिया है। हां, इस बार वे टिकट से जरूर वंचित हो गए। उनकी जगह कांग्रेस से आए जितिन प्रसाद को पीलीभीत से लोकसभा का टिकट मिल गया। जतिन जीत भी गए।

दूसरा उदाहरण फिल्म अभिनेता और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री रहे शत्रुध्न सिन्हा का है। सिन्हा मोदी के मुखर आलोचक रहे और समय-समय पर सरकार पर टिप्पणी करते रहे। अंततः वे भाजपा छोड़कर पहले कांग्रेस, फिर तृणमूल कांग्रेस में चले गए। अब वे आसनसोल से तृणमूल के सांसद हैं। यही कहानी पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता यशवंत सिन्हा की है। उन्होंने भी मोदी विरोधी सुर अलापे और अंततः पार्टी छोड़कर चले गए। उनके पार्टी छोड़ने के बाद भी उनके बेटे जयंत सिन्हा को 2019 में भाजपा ने लोकसभा की टिकट दी। जयंत सिन्हा मोदी सरकार में मंत्री भी रहे। इस बार जयंत का टिकट कट गया। ऐसे ही उदाहरणों में क्रिकेटर कीर्ति आजाद भी हैं। मोदी सरकार के विरूद्ध उनके बयान चर्चा में रहे, संप्रति वे तृणमूल कांग्रेस के साथ हैं।

लेखक और दिग्गज पत्रकार अरूण शौरी, अटल जी की सरकार में मंत्री रहे। उनका बौद्धिक कद बहुत बड़ा है। एक इंटरव्यू में अरुण शौरी ने कहा कि "नरेंद्र मोदी के बारे में उनके अधिकारी ही मुझे कहते हैं कि उनके सामने बोल नहीं सकते। मंत्री डरे हुए रहते हैं। कोई कुछ बोल नहीं पाता है उनके सामने। उनके सामने जाने और कुछ भी कहने से पहले लोग डरे रहते हैं और सोच समझकर बोलते हैं। हालांकि अटल जी की पर्सनालिटी ऐसी थी कि लोग उनसे अपनी बात कहना चाहते थे और वह सुनते भी थे। उनकी एक खास बात यह भी थी कि वह भी यह जानना चाहते थे कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। वह पूछा करते थे और लोग बिना किसी डर के बताते भी थे।" तीखी आलोचनाओं के बाद भी मोदी का उनके प्रति सौजन्य कम नहीं हुआ और वे शौरी की बीमारी में उन्हें देखने अस्पताल जा पहुंचे और उनके परिजनों से भी मुलाकात की। अरुण शौरी और पीएम मोदी के रिश्तों में उस समय सबसे ज्यादा खटास देखी गई, जब अरुण शौरी यशवंत सिन्हा के साथ राफेल मामले को सुप्रीम कोर्ट लेकर पहुंच गए। यहां पर उन्होंने मामले की जांच और सौदे पर सवाल उठाए थे । हालांकि सुप्रीम कोर्ट में सरकार को क्लीन चिट मिल गई। रिश्तों में आई खटास के बावजूद भी पीएम मोदी ने पुणे स्थित अस्पताल में अरूण शौरी से मुलाकात की। इस मुलाकात के फोटो शेयर करते हुए लिखा- "आज पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण शौरी जी से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उनके साथ इस दौरान बहुत अच्छी बातचीत हुई। हम उनकी दीर्घायु और स्वस्थ्य जीवन की कामना करते हैं।"

अपने तीखे तेवरों के चर्चित सुब्रमण्यम स्वामी कभी जनसंघ- भाजपा से जुड़े रहे। बाद में वे भाजपा से अलग होकर जनता पार्टी के अध्यक्ष बने। केंद्र में मंत्री भी बने। 2014 में सत्ता में आने के बाद मोदी ने स्वामी को राज्यसभा के लिए भेजा। स्वामी इससे कुछ अधिक चाहते थे। जाहिर है इन दिनों वे मोदी के प्रखर आलोचक बने हुए हैं। किंतु उनकी आलोचनाओं पर मोदी या भाजपा ने कभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। एक साक्षात्कार में स्वामी ने कहा कि "मैं बीजेपी का हिस्सा हूं...मैं इनके साथ लंबे समय से साथ हूं। मुझे पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी से भी दिक्कत थी लेकिन इतनी समस्या नहीं थी, जितनी कि पीएम नरेंद्र मोदी से है।"

भाजपा छोड़कर जा चुके पूर्व केंद्रीय मंत्री आरिफ मोहम्मद खान को वापस लाकर मोदी ने उन्हें केरल के राज्यपाल पद से नवाजा। राज्यपाल के पद पर बैठकर मोदी की आलोचना करते रहे सतपाल मलिक को भी प्रधानमंत्री पद से नहीं हटाते, बल्कि कार्यकाल पूरा करने का अवसर देते हैं। जबकि राज्यपाल एक संवैधानिक पद है और उस पद पर बैठे व्यक्ति को केंद्र सरकार की सार्वजनिक आलोचना से बचना चाहिए। किंतु सतपाल मलिक ऐसा करते रहे और मोदी उनकी सुनते रहे। इसी तरह झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी नाराज होकर पार्टी से बाहर थे और अपनी पार्टी बनाकर सक्रिय थे। भाजपा ने मोदी के कार्यकाल में न सिर्फ उनकी पार्टी में वापसी सुनिश्चित की बल्कि उन्हें झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद भी दिया। नाराज होकर भाजपा दो बार छोड़ चुके कल्याण सिंह (अब स्वर्गीय) को राजस्थान का राज्यपाल बनाया गया। उनके पुत्र राजबीर को लोकसभा की टिकट और पौत्र संदीप सिंह को उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री का पद मिला है। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री रहीं उमा भारती भी 'भाजपा के अनुशासन चक्र' का शिकार रहीं। मोदी ने उन्हें अपनी सरकार में मंत्री बनाया और उनके साथ भाजपा छोड़कर गए प्रह्लाद सिंह पटेल मोदी सरकार में राज्यमंत्री बने। अब पटेल मध्यप्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। ये उदाहरण बताते हैं मोदी अपने लोगों के प्रति खासे उदार हैं। वे अपनी 'निजी आलोचना' की बहुत परवाह नहीं करते और गांठ नहीं बांधते। निजी रिश्तों को राजनीति से ऊपर रखते हैं। वे शरद पवार के अभिनंदन समारोह में शामिल हो सकते हैं, मुलायम सिंह यादव के परिवार में आयोजित विवाह समारोह में भी इटावा भी जा सकते हैं। उनकी ताकत है कि वे कश्मीर में महबूबा मुफ्ती के साथ भाजपा की सरकार बनाने की अनुमति दे सकते हैं। राजनीतिक समझ-बूझ के साथ अपने वैचारिक आग्रहों पर डटे रहना मोदी की विशेषता है। इसलिए वे भारतीय राजनीति की पिच पर आज भी मजबूती से जमे हुए हैं।

-प्रो. संजय द्विवेदी

– :सौजन्य :–
ईवी ड्राइव द फ्यूचर
EV
Drive the Future

महिंद्रा थार रॉक्स की बुकिंग 3 अक्टूबर से होगी शुरू, दशहरे से मिलेगी डिलीवरी

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने हाल ही में Thar Roxx को लॉन्च किया है। कंपनी ने इसकी शुरुआती कीमत 12.99 लाख रुपये रखी है। Mahindra ने घोषणा की है कि इसकी बुकिंग 3 अक्टूबर, 2024 से शुरू होगी। बुकिंग ऑनलाइन और पूरे भारत में ब्रांड डीलरशिप पर शुरू होगी। थार रॉक्स के लिए टेस्ट ड्राइव 14 सितंबर से शुरू होगी, जबकि डिलीवरी दशहरा से शुरू होने वाली है।

Mahindra Thar Roxx की कीमत

महिंद्रा ने थार रॉक्स के चुनिंदा वेरिएंट की कीमतों का खुलासा किया है। 5-डोर थार छह वेरिएंट - MX1, MX3, MX5, AX3L, AX5L और AX7L में बेची जाएगी। MX1 बेस पेट्रोल MT की कीमत 12.99 लाख रुपये से शुरू होती है, जो AX7L डीजल MT के लिए 20.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है। मौजूदा कीमतें रियर-व्हील ड्राइव (RWD) ट्रिम्स के लिए हैं, जबकि 4x4 ट्रिम्स की घोषणा अभी नहीं की गई है।

डिजाइन और डायमेंशन

अपने थ्री-डोर सिब्लिंग की तुलना में नई Mahindra Thar Roxx काफी बड़ी है। इसकी लंबाई 4,428 मिमी, चौड़ाई 1,870 मिमी और ऊंचाई 1,928 मिमी है। व्हीलबेस 2,850 मिमी है, जो थार 3-डोर से 400 मिमी लंबा है। इस 5-डोर एसयूवी को नए M-Gylde प्लेटफॉर्म पर बनाया गया है।

ऑफ-रोड क्रेडेंशियल्स की बात करें, तो थार रॉक्स को 41.7 डिग्री का एप्रोच एंगल, 36.1 डिग्री का रैंपओवर एंगल और 23.9 डिग्री का डिपार्चर एंगल मिलता है। इसकी वाटर वेडिंग कैपेसिटी 650 मिमी है। एसयूवी के टॉप ट्रिम्स पर 19 इंच के अलॉय व्हील्स हैं, जबकि निचले ट्रिम्स में 18 इंच के अलॉय व्हील्स हैं। बेस MX1 और MX3 वेरिएंट में 18 इंच के स्टील व्हील्स दिए गए हैं।

विंग्स ईवी भारत की पहली इलेक्ट्रिक माइक्रो-कार करेगी पेश

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग में जल्द ही एक नई श्रेणी देखने को मिलेगी। रॉबिन नामक एक 'इलेक्ट्रिक माइक्रोकार', दो-सीटर ईवी जिसके बारे में निर्माताओं का कहना है कि इसे चलाना मोटरसाइकिल जितना ही आसान होगा।

विंग्स ईवी के संस्थापक पिता-पुत्र प्रकाश और प्रणव दांडेकर द्वारा स्थापित इंदौर स्थित कंपनी विंग्स ईवी, अप्रैल 2025 में बेंगलुरु में रॉबिन का अनावरण करेगी, ताकि "शून्य प्रदूषण, कम भीड़भाड़ और कम सड़क स्थान के साथ व्यक्तिगत आवागमन को बढ़ावा दिया जा सके।

सीईओ और सह-संस्थापक प्रणव दांडेकर ने कहा कि कंप्यूटर विज्ञान में पीएचडी और स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से स्नातक रॉबिन ने पहले ही एआरएआई पुणे द्वारा आयोजित सभी सुरक्षा परीक्षण पास कर लिए हैं, जिससे यह बाजार में मौजूद किसी भी मौजूदा दो या तीन पहिया वाहन से अधिक सुरक्षित हो गया है। हमें उम्मीद है कि हमारे इंदौर प्लांट की वार्षिक उत्पादन क्षमता 10,000 की तुलना में पहले वर्ष में 3000 यूनिट्स की बिक्री कर पायेंगे।

सीईओ ने कहा कि ईवी फर्म ने वेंचर हाईवे और "भारत और सिलिकॉन वैली के कई हाई-प्रोफाइल एंजेल निवेशकों" सहित विभिन्न निवेशकों से धन जुटाया है।

सिलिकॉन वैली में 17 साल तक काम कर चुके तकनीकी विशेषज्ञ श्री दांडेकर ने बताया कि विंग्स ईवी ने देश भर के छह शहरों में यूजर रिसर्च की है और बेंगलुरु में 300 से ज़्यादा टेस्ट

ड्राइव की हैं।

2025 में रॉबिन को चेन्नई और हैदराबाद या पुणे में भी लॉन्च किया जाएगा, जिसके बाद कंपनी इसे नए फॉर्मेट में पूरे देश में पेश करेगी।

प्रणव दांडेकर ने कहा कि हम अप्रैल 2025 में डिलीवरी शुरू करने की योजना बना रहे हैं। अभी हमारे पास जो ऑर्डर हैं, उनसे हमें अंदाजा लग जाएगा कि हमारा पहला बैच कितना उत्पादन करने वाला है। अगर हमें दक्षिणी बाजारों में पर्याप्त ऑर्डर मिलते हैं, तो हम इस क्षेत्र में एक उत्पादन इकाई स्थापित करने पर भी विचार करेंगे।

रॉबिन तीन वेरिएंट में उपलब्ध होगी। एक बेसिक नॉन-एसी 65 किमी रेंज मॉडल जिसकी कीमत (एक्स-शोरूम) 2 लाख रुपये (ऑन-रोड कीमत में 11% अधिक) है, एक मिड-वेरिएंट जिसमें पंखा और 90 किमी रेंज है जिसकी कीमत 2.5 लाख रुपये है और एक प्रीमियम वेरिएंट जिसमें 90 किमी रेंज, एसी और बढ़ी हुई सुरक्षा के लिए पेटेंट ऑडियो अलर्ट सिस्टम है जिसकी कीमत 3 लाख रुपये है।

पूरी तरह से लोड होने पर रॉबिन ने 12 डिग्री का झुकाव पार कर लिया, जबकि इसके लिए 7 डिग्री की आवश्यकता थी। प्रणव दांडेकर ने कहा कि अधिकांश फ्लाईओवर 3/4 डिग्री की रेंज में होते हैं।

प्रणव दांडेकर के पिता प्रकाश दांडेकर, सीटीओ और विंग्स ईवी के सह-संस्थापक के अनुसार, भारत में हर साल 18 मिलियन से ज़्यादा दोपहिया वाहन बेचे जाते हैं। सीटीओ, जो पहले टाटा टेक्नोलॉजीज में एम्बेडेड सिस्टम और टेलीमैटिक्स डिवीजन के प्रमुख थे, ने कहा, 'अगले 15 से 20 सालों में, दोपहिया वाहन खरीदने वालों का एक बड़ा हिस्सा दो-सीटर माइक्रो कारों की ओर जा सकता है।'

उन्होंने बताया कि रॉबिन को ड्राइव-बाय-वायर पावरट्रेन द्वारा संचालित किया जाता है, जो उन्नत विमानों में प्रयुक्त फ्लाई-बाय-वायर प्रौद्योगिकी के समान है।

जीरो एफएक्सई इलेक्ट्रिक Bike टेस्टिंग के दौरान हुई स्पॉट, भारत के लिए डेवलप करेगी स्पेशल EV

परिवहन विशेष न्यूज

कर्नाटक के बेंगलुरू में Zero अपनी FXE इलेक्ट्रिक बाइक की टेस्टिंग कर रही है। जिसे टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया है। कहा जा रहा है कि कंपनी ने भारत में इसकी टेस्टिंग डेटा इकट्ठा करने और स्पेशल इलेक्ट्रिक व्हीकल को डेवलप करने के लिए कर रही है। आइए जानते हैं कि यह बाइक किन फीचर्स के साथ आती है।

Zero FXE इलेक्ट्रिक बाइक को हाल ही में भारत में टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया है। इस बाइक को कर्नाटक के बेंगलुरू में स्पॉट किया गया है। जिस तेजी से बाइक की टेस्टिंग की जा रही है, उसे देखकर उम्मीद की जरा रही है कि जल्द ही यह भारत में लॉन्च होने वाली है। वहीं, आइए जानते हैं कि यह बाइक किन खूबियों से लैस रहने वाली है।

बाइक की 168km है रेंज

Zero हाल में प्रीमियम परफॉरमेंस इलेक्ट्रिक बाइक बनाने के लिए जानी जाती है। इसकी FXE एक सुपरमोटो स्टाइल इलेक्ट्रिक बाइक है। इसमें सुपरमोटो जैसा डिजाइन दिया गया है, जो शार्प बॉडीवर्क और एक ओवरऑल स्लीक प्रोफाइल के लिए जानी जाती है। बाइक में 7.2kWh बैटरी पैक दी गई है, जो करीब 168km की रेंज देती है। यह 34kW या 46PS मोटर पर रन करती है, जो 106Nm का पीक टॉर्क जनरेट करती है। इस बाइक की टॉप स्पीड 136 किमी प्रती घंटे है। बाइक को फुल चार्ज होने में 1.3 घंटे का समय लगता है।

डुअल-चैनल ABS के साथ आती है

Zero FXE इलेक्ट्रिक बाइक में 41 mm शोवा इनवर्टेड फोर्क और 40 mm शोवा मोनोशॉक पर सस्पेंड दिया गया है। बाइक 110-सेक्शन फ्रंट और 140-सेक्शन रियर पिरेली डियाब्लो रोसो II टायर के साथ आती है। इसके साथ ही दोनों तरफ 17-इंच के अलॉय दिए गए हैं। बाइक की ब्रेकिंग की बात करें तो इसमें 320 मिमी फ्रंट और 240 मिमी रियर डिस्क ब्रेक दिए गए हैं, जो बॉश डुअल-चैनल ABS के साथ आते हैं।

क्या भारत में होगी लॉन्च

हाल में आने वाली Zero FXE इलेक्ट्रिक बाइक की कीमत US में 12,495 USD है, जो भारतीय करेंसी में करीब 10,49,092 रुपये आता है। बाइक की कीमत और प्रीमियम फीचर्स को देखते हुए कहा जा रहा है कि इस साल यह भारतीय मार्केट में लॉन्च नहीं होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी अधिक डेटा हासिल करने और देश में स्पेशल ईवी डेवलप करने के के लिए भारत में इसकी टेस्टिंग कर रही है।

ओला रोडस्टर प्रो इलेक्ट्रिक बाइक को खास बनाती हैं 5 बातें, फीचर्स-स्पेसिफिकेशन से लेकर डिजाइन तक

परिवहन विशेष न्यूज

ओला कंपनी ने इस 15 अगस्त को अपनी पहली इलेक्ट्रिकि बाइक Ola Roadster Pro को भारत में लॉन्च किया है। बाइक का डिजाइन बेहद फ्यूचरिस्टिक है। इसके डिजाइन की तरह ही इसमें फीचर्स और स्पेसिफिकेशन भी दिए गए हैं। जल्द ही कंपनी इसमें ADAS का फीचर भी दे सकती है। आइए जानते हैं कि ओला रोडस्टर प्रो इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल किन फीचर्स के साथ आती है।

नई दिल्ली। ओला कंपनी ने 15 अगस्त को अपनी पहली इलेक्ट्रिक बाइक Ola Roadster Pro को लॉन्च किया। बाइक की डिजाइन, फीचर्स और स्पेसिफिकेशन इसी के अनुरुप है। बाइक के स्पेसिफिकेशन काफी बेहतरीन है। आइए जानते हैं कि ओला रोडस्टर प्रो में किस तरह के फीचर्स दिए गए हैं और इसकी कीमत कितनी है।

कैसा है मोटर और बैटरी पैक?

ओला रोडस्टर प्रो दो बैटरी पैक के साथ आती है, जो 8kWh और 16kWh है। ओला की तरफ से किए जा रहे दावा के मुताबिक, रोडस्टर प्रो वर्तमान में देश की सबसे तेज इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल है। यह बाइक 52kW मोटर के साथ 16kWh ट्रिम में रोडस्टर प्रो 1.9 सेकंड में 0 से 60kmph की स्पीड पकड़ सकती है। इसकी टॉप स्पीड 194kmph है। ओला के इलेक्ट्रिक बाइक की 16kWh बैटरी की रेंज जो 579km है। यह दावा की गई रेंज किसी भी दूसरी भारतीय बाइक ईवी से ज्यादा है।

काफी शानदा है डिजाइन

ओला रोडस्टर प्रो का डिजाइन काफी स्पोर्टी है। इसके डिजाइन को बेहद फ्यूचरिस्टिक है। इसमें DRL स्ट्रिप या 'टैंक' एक्सटेंशन और स्लिम टेल सेक्शन के साथ रोबोकॉप स्टाइल हेडलाइट काउल दिया गया है। यह दो कलर ऑप्शन के साथ आती है, लेकिन उम्मीद है कि इसे अगले साल तक और भी कलर ऑप्शन में लाया जाएगा।

कई बेहतरीन फीचर्स से है लैस

ओला रोडस्टर प्रो को कई बेहतरीन फीचर्स से लैस किया गया है। इसमें ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ 10-इंच टचस्क्रीन TFT डिस्प्ले दिया गया है। बाइक में चार राइड मोड दिया गया है, जो हाइपर, स्पोर्ट, नॉर्मल और इको है। इसके साथ ही बाइक में MoveOS सॉफ़्टवेयर की शुरुआत केसाथ और भी कई फीचर्स पेश करने की योजना कंपनी बना रही है। जिसमें व्हीली कंट्रोल, ट्रैक्शन कंट्रोल और ADAS दिया जाएगा। अगर इसमें ADAS आता है तो यह देश की पहली बाइक होगी जो इस फीचर के साथ आएगी।

बेहद मजबूत है गाड़ी

ओला रोडस्टर प्रो के बाइक में स्टील फ्रेम दिया गया है, जिसके आगे USD फोर्क और पीछे की तरफ मोनोशॉक दिया गया है। यह ट्यूबलेस टायर के साथ एलॉय व्हील पर रन करती है। वहीं, ब्रेकिंग के लिए बाइक के आगे की तरफ ट्विन डिस्क और पीछे की तरफ डिस्क ब्रेक दिया गया है।

श्रीराम फाइनेंस ईवी फाइनेंसिंग के लिए पूंजी जुटाने हेतु जलवायु-आधारित फंडों के साथ कर रहा बातचीत

परिवहन विशेष न्यूज

देश के सबसे बड़े ऑटो-केंद्रित, गैर-बैंक ऋणदाता श्रीराम फाइनेंस के उपाध्यक्ष उमेश रेवणकर ने ईटी को बताया कि इलेक्ट्रिक वाहनों को वित्तपोषित करने के लिए पूंजी जुटाने के लिए जलवायु-केंद्रित निजी इक्विटी फंडों के साथ चर्चा का प्रारंभिक दौर शुरू कर दिया है। वर्तमान में, ऋणदाता द्वारा प्रबंधित 2.33 लाख करोड़ रुपये की परिसंपत्तियों में ईवी का हिस्सा छोटा है, लेकिन इलेक्ट्रिक-टू और इलेक्ट्रिक-थ्री व्हीलर्स में तेजी से विद्युतीकरण की प्रवृत्ति के बीच यह बढ़ने वाला है।

उन्होंने कहा, ₹हमारे पास अभी ईवी के लिए अलग से कोई अभियान नहीं है। लेकिन हां, हम कुछ ऐसा करने पर विचार कर रहे हैं जो इस बात पर निर्भर करेगा कि हम कुछ संसाधन जुटा पाते हैं या नहीं, जो कि सस्ता हो। अगर कोई ग्रीन कलर की करेंसी (जलवायु केंद्रित फंड) कम कीमत पर आती है, तो हम इसे ग्राहकों तक पहुंचा पाएंगे।₹ उन्होंने कहा कि श्रीराम फाइनेंस पहले से ही कुछ लोगों के साथ चर्चा कर रहा है और ईवी फाइनेंसिंग लोन बुक के एक निश्चित आकार तक पहुंचने के बाद हम इस पर काम करेंगे। रेवनकर ने कहा, ₹तब हमारे पास बेहतर बातचीत करने की शक्ति होगी।₹ कंपनी के दोपहिया पोर्टफोलियो में ईवी का हिस्सा 1.5% है।

कंपनी ईवी फाइनेंस के लिए पूंजी जुटाने पर विचार कर रही है, कुछ महीने पहले चेन्नई स्थित इस फर्म ने हाउसिंग फाइनेंस बिजनेस वर्टिकल से बाहर निकलने का फैसला किया है और 13 साल के संचालन के बाद 4,630 करोड़ रुपये के विचार के लिए अपनी पूरी 85 प्रतिशत हिस्सेदारी अमेरिकी निजी इक्विटी फर्म वारबर्ग पिंकस को बेचने पर सहमत हो गई है। श्रीराम ने कहा था कि कंपनी बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग अपने मुख्य कारोबार को बढ़ाने में करेगी।

उन्हें उम्मीद है कि अगले दो से तीन सालों में ईवी ऋण पोर्टफोलियो 5000 करोड़ रुपये का हो जाएगा। हालांकि, ईवी के लिए पूंजी जुटाना उक्त लक्ष्य को प्राप्त करने पर निर्भर नहीं है और इससे पहले भी हो सकता है, उन्होंने स्पष्ट किया। क्या वित्त को एक अलग इकाई के रूप में अलग किया जाएगा या उसी कंपनी के भीतर रहेगा, यह कंपनी द्वारा किए गए समग्र लागत लाभ विश्लेषण पर निर्भर करेगा।

इस बीच, प्रयुक्त ट्रकों के वित्तपोषण पर बात करते हुए, जहां यह बाजार का नेता है, रेवणकर ने कहा कि मजबूत मांग और कम आपूर्ति के कारण, सेकेंड-हैंड ट्रक की कीमतों में तेज उछाल देखा गया है। पिछले दो वर्षों में, सभी प्रकार के प्रयुक्त वाणिज्यिक वाहनों की कीमतें, चाहे BS IV हो या BS VI, अपर्याप्त आपूर्ति के कारण 25-30% बढ़ी हैं। उन्होंने बताया कि 2019-22 के दौरान कम बिक्री के कारण प्रयुक्त ट्रक बाजार में आपूर्ति की कमी हुई है। मौसमी रूप से कमजोर तिमाही में वाणिज्यिक वाहनों और निर्माण उपकरणों के लिएश्रीराम फाइनेंस के ऋण पोर्टफोलियो की वृद्धि स्थिर (+14.6% साल-दर-साल) रही। जून तिमाही की आय के बाद जारी एक शोध नोट के अनुसार, प्रबंधन ने नए सीवी सेगमेंट में देखी गई मंदी के बीच 15% के अपने ऋण वृद्धि मार्गदर्शन को बनाए रखा है।

फाडा ने बेरोजगार युवाओं के लिए 2 लाख इलेक्ट्रिक वाहन जुटाने के लिए वाणिज्य और सामाजिक न्याय के साथ मिलाया हाथ

परिवहन विशेष न्यूज

भारत के सबसे बड़े ऑटोमोबाइल डीलर संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन फाडा) महाराष्ट्र के अध्यक्ष सचिन महाजन ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और रामदास अठावले के साथ चर्चा के बाद कहा कि चूंकि भारत का ऑटो उद्योग ईवी की मांग में कमी के कारण चुनौतियों का सामना कर रहा है, इसलिए उद्योग को अगले दो वर्षों में लगभग 2 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग देखने की उम्मीद है।

भारत सरकार के केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री श्री अठावले ने सामाजिक न्याय के लिए पीएम सोलर2ईवी परियोजना को हरी झंडी दिखाई, जिससे इलेक्ट्रिक दोपहिया, तिपहिया, फ्लीट पैसेंजर इलेक्ट्रिक कारों, हल्के इलेक्ट्रिक ट्रकों और बसों के लिए विभिन्न सामाजिक न्याय योजनाओं से लगभग 200,000 इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग को बढ़ावा मिलेगा।

फरवरी 2024 में भारत के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा अनावरण किए जाने पर महाजन ने कहा कि भारत के दो प्रमुख मंत्रियों, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और रामदास अठावले द्वारा बुलाई गई संयुक्त बैठक के बाद सोलर2ईवी को लॉन्च किया जाएगा।

सचिन महाजन ने कहा कि भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के अधिकारी मिशन 50के-ईवी4ईसीओ मिशन के दूसरे संस्करण की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य सिडबी-विश्व बैंक के ईवोल्व कार्यक्रम के अग्रदूत के रूप में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और एनबीएफसी को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष ऋण के माध्यम से ईवी खरीद को वित्तपोषित करके भारत में इलेक्ट्रिक वाहन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना है।

इस अवसर पर उपस्थित सिडबी के उप महाप्रबंधक राजेंद्र प्रसाद और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के प्रमुख और सहायक महाप्रबंधक पवन कुमार भारती ने कहा कि ईवी4ईसीओ योजना की तर्ज पर एक समान कार्यक्रम विकसित करने का स्पष्ट अवसर है।

उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार के तीसरे चरण में सहयोगात्मक भावना देखना ऑटो उद्योग के लिए एक उत्साहजनक संकेत है, जहां दोनों मंत्रालय गरीबों को सशक्त बनाने, युवाओं और महिलाओं के लिए अवसर प्रदान करके उद्यमिता के अवसर पैदा करने और हाशिए के समुदायों के लगभग 2 लाख वंचित युवाओं को सशक्त बनाने के लिए एक साथ आ रहे हैं।

बैठक और चर्चाओं पर अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने कहा, "नए संसद भवन में

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के कक्ष में आयोजित इस संयुक्त बैठक का हिस्सा बनना मेरे लिए वास्तव में सौभाग्य की बात है।"

उन्होंने आगे कहा, "इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहन निर्माता काइनेटिक ग्रीन, एमजी मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा के वरिष्ठ अधिकारी, इलेक्ट्रिक बस निर्माता पीएमआई इलेक्ट्रोमोबिलिटी, भारत की अग्रणी बैटरी स्वैपिंग इकाई सन मोबिलिटी सहित अन्य प्रमुख ओईएम द्वारा सोलर2ईवी परियोजना के लिए प्रदर्शित समर्थन और नेतृत्व बड़े पैमाने पर ईवी उद्योग के लिए एक उत्साहजनक संकेत है।"

हमारी आजादी को किससे खतरा?

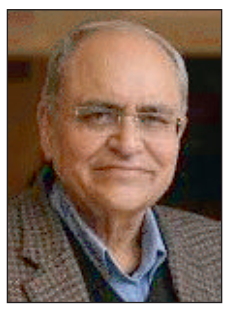

बलबीर पुंज

देश आज अपना 78वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। सभी पाठकों को इस अवसर पर ढेरों बधाई। यह अवसर जश्न मनाने के साथ-साथ आत्मङ्कषचतन करने का भी है। वर्ष 1947 में जब हम आज के दिन ब्रितानी दास्तां से मुक्त हुए, तब इसके कुछ घंटे पहले हमारा मुल्क इस्लाम के नाम...

देश आज अपना 78वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। सभी पाठकों को इस अवसर पर ढेरों बधाई। यह अवसर जश्न मनाने के साथ-साथ आत्मङ्कषचतन करने का भी है। वर्ष 1947 में जब हम आज के दिन ब्रितानी दास्तां से मुक्त हुए, तब इसके कुछ घंटे पहले हमारा मुल्क इस्लाम के नाम पर खंडित हो चुका था। पाकिस्तान के पैरोकार मोहम्मद बिन कासिम, गौरी, गजनवी, बाबर, औरंगजेब, अब्दाली, टीपू सुल्तान आदि आक्रांताओं में अपना नायक खोजते हैं, जिन्होंने इस भूखंड की सनातन संस्कृति और उससे प्रेरित सिख गुरु परंपरा को कुचलने का प्रयास किया था। जो एक चौथाई हिस्सा तब हमसे अलग हुआ था, वह 1971 में फिर 2 और हिस्सों में बंट गया।

वही विक्षेपित भारतीय भूखंड पाकिस्तान और बंगलादेश नाम से जाने जाते हैं, जिस पर इस्लाम का कब्जा है। वहां सनातन भारत की कालजयी बहुलतावादी, लोकतांत्रिक और पंथनिरपेक्षी जीवन मूल्यों का दम घुट चुका है। इसका प्रमाण बंगलादेश के हालिया घटनाक्रम में दिख जाता है, जो अपने भीतर खंडित भारत के लिए गहरा भाव समेटे हुए है। जैसे ही 5 अगस्त को बंगलादेश के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर शेख हसीना अपना देश छोडने और भारत में शरण लेने को मजबूर हुईं, वैसे ही इस इस्लामी देश में महीनों से 'सत्ता-विरोधी' और 'छात्र क्रांति' के नाम पर चल रहा आंदोलन, अपने असली चरित्र अर्थात घोर इस्लामी प्रदत्त अल्पसंख्यक ङ्कषहदू-बौद्ध, ईसाई और उदारवादी मुसलमान विरोधी जेहाद में परिवर्तित हो गया। बंगलादेश मीडिया के अनुसार, देश के 64 में से 52 जिलों में हिंदुओं को लक्षित करते हुए 205 से अधिक हमले हो चुके हैं।

हिंदुओं को चिन्हित करके उनके घर-दुकानों के साथ-साथ मंदिरों को फूंका जा रहा है, उनकी बहू-बेटियों की अस्मत से खिलवाड़ किया जा रहा है और उनकी संपत्ति तक लूटी जा रही है। भारत-बंगलादेश सीमा पर प्रवेश के लिए पीड़ति हिंदुओं का तांता लगा हुआ है। इससे संबंधित कई वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल भी हैं। एक बंगाली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामी और हिफाजत-ए-इस्लाम पूरे बंगलादेश के अलावा भारत से सटे क्षेत्रों के साथ नेपाल, म्यांमार के कुछ एक इलाकों को मिलाकर 'गजवा-ए-ङ्कषहद' अवधारणा के तहत उस पर इस्लामी परचम लहराना चाहते हैं। क्या शेख हसीना को उनकी तथाकथित 'तानाशाही' और 'अलोकतांत्रिक' होने के कारण हटना पड़ा? इस प्रश्न का उत्तर खोजने से पहले बंगलादेश की आर्थिकी का हाल जान लेते हैं। शेख हसीना के पिछले 15 साल से अधिक के शासन में बंगलादेश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह बदल गई है। यहां तक कि कुछ मामलों में उसने भारत

को भी पीछे छोड़ दिया है।

बंगलादेश ने विश्व स्तरीय रैडीमेड गार्मैंट्स (आर.एम.जी.) उद्योग खड़ा किया है, जो भारत से अधिक निर्यात कर रहा है। बंगलादेश की प्रति व्यक्ति जी.डी.पी. आय 2600 डालर है, जोकि लगभग भारत के बराबर है। कई सामाजिक संकेतकों में बंगलादेश की स्थिति अच्छी है। फिर भी बंगलादेश में शेख हसीना के प्रति गहरी घृणा का कारण क्या है, जिसके चलते उन्हें अपनी जान बचाने हेतु देश छोड़कर भागना पड़ा? सुधि पाठकों को याद होगा कि शेख हसीना के पिता और बंगलादेश के जनक 'बंगबंधु' शेख मुजीबुर रहमान की 15 अगस्त, 1975 को उनके परिवार के कई सदस्यों के साथ उनके घर में मौत के घाट उतार दिया गया था। जिन कारणों से उनकी हत्या की गई थी, उन्हीं कारणों ने शेख हसीना को बंगलादेश से भागने पर विवश किया है।

अपने पिता की भांति हसीना भारत के साथ अच्छे संबंध रखने की पक्षधर रही हैं, जिसे जेहादी सहित इस्लामी कट्टरपंथी 'काफिर' मानते हैं। वर्ष 1971 के 'बंगलादेश मुक्ति युद्ध' के दौरान पाकिस्तानी सेना और जेहादी रजाकारों ने स्थानीय हिंदू-बौद्ध समुदाय का नरसंहार करते हुए उनकी लाखों महिलाओं के साथ बलात्कार किया था। वैसा मजहबी नरसंहार बंगलादेश में दोबारा न दोहराया जाए, उसके लिए शेख मुजीबुर रहमान ने हिंदू-बौद्ध अनुयायियों को 'काफिर' मानने से इंकार कर दिया। पिता की तरह शेख हसीना भी अपने कार्यकाल में ऐसा ही करने की कोशिश कर रही थीं, जो जेहादियों को मुजीबुर के समय भी नागवार गुजरा था और उन्हें ऐसा आज भी मंजूर नहीं है। सच तो यह है कि अविभाजित भारत में जिन शक्तियों ब्रितानियों, वामपंथियों और जेहादियों के गैर-मुकद्दस गठजोड़ ने पाकिस्तान का खाका खींचा, उसने ही शेख मुजीबुर रहमान को रास्ते से हमेशा के लिए हटा दिया और उनकी बेटी शेख हसीना को देश निकाला दे दिया। इसमें फर्क केवल इतना है कि औपनिवेशी के रूप में ब्रितानियों का स्थान अमरीका ने ले लिया है।

स्वतंत्रता के बाद भारत का एक राजनीतिक वर्ग दशकों से 'सैकुलरवाद' के नाम पर उसी इस्लामी कट्टरता को प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से बढ़ावा दे रहा है, जो पहले भी देश का इस्लाम के नाम पर विभाजन कर चुका है। यह राजनीतिक कुनबा वोट बैंक की राजनीति हेतु गाजा-फिलिस्तीन के मुस्लिमों के प्रति सहानुभूति तो रखता है, परंतु बंगलादेशी हिंदुओं के दमन को अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा बताकर चुप रहता है। ऐसे दोहरे मापदंड रखने वालों को पहचानने की आवश्यकता है, जिनसे भारत की स्वतंत्रता, संप्रभुता, सुरक्षा और उसके सांस्कृतिक अस्तित्व को सर्वाधिक खतरा है।

नए नजरिए की जरूरत

अगर महिलाओं के दुख-सुख और उसकी व्यवस्था पर केंद्रित बातचीत हो रही हो तो उसके बीच में किसी के मुंह से अक्सर यह सुना जा सकता है कि एक औरत ही औरत की दुश्मन होती है। जो इस मसले की तहों से दूर रहते हैं, वे सहमत होते हैं, जो इसकी परतों को समझते हैं, उनके लिए इससे सहमत होना मुश्किल होता है। दरअसल, एक स्त्री जो पाती है, वही ज्ञान संस्कार अपनी बेटी, बहू या अन्य लड़कियों को देती है। आज के दौर में जब आमतौर पर हर लड़की और महिला को अपने हाथ में बसे इंटरनेट के माध्यम से घर, बाहर और संसार की सारी खबरें मिल रही हैं, ऐसे में अगर कोई महिला यह कहती है कि मुझे आजकल की लड़कियों से डर लगने लगा है, तो हैरानी होती है। अपने बेटे के लिए पुत्रवधू खोजते हुए क परिचित ने कहा कि आजकल की लड़कियों से जरा डर लगता है... आजकल की लड़कियां बहुत चालाक होती हैं... वे लड़के से सारा पैसा लेकर अपने पास रखती हैं।

इस तरह की बातें सुन कर एकबारगी ऐसा लगता है कि उन्हें किसी एकाध खास लड़की से कोई नाराजगी होगी, इसलिए वे ऐसा कह रही हैं, मगर विडंबना यह है कि यह राय उनकी सोच से जुड़ी थी। क्या वास्तव में आज के दौर की एक पढ़ी-लिखी जिम्मेदार महिला को थोड़ी-सी प्राप्त आजादी से सपने देखने वाली लड़कियों के बारे में ऐसी सोच रखना ठीक है? इस तरह की बातें जब पुरुषों के मुंह से निकले तो इस पर आश्चर्य नहीं होना चाहिए। जब भी किसी की सत्ता में कोई घुसपैठ करता है तो उसे कष्ट होता है। मगर जब एक पढ़ी-लिखी स्त्री बार- बार ऐसे विचारों को दोहराती तो इस पर सोचने की जरूरत महसूस होती है। महादेवी वर्मा इस बात पर बल देती हैं कि एक पढ़ी-लिखी महिला को हमेशा अपनी अनपढ़ बहनों का साथ देना चाहिए, ताकि अन्य महिलाएं भी आगे बढ़ सकें। अगर सावित्रीबाई फुले ने भी यही सोचा होता तो क्या आधी आबादी जो आज पढ़-लिखकर अपने घरों से निकल पा रही है, निकल पाती ? शायद नहीं।

दरअसल, हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। अगर ध्यान से देखा जाए तो एक पहलू अगर आज के दौर में लड़कियों का घर से बाहर निकलने का संघर्ष है, तो दूसरा पहलू उन स्त्रियों की सोच का है जो यह माने बैठी हैं कि स्त्रियों के घर से बाहर निकलने की आजादी ने गृहस्थ जीवन को बर्बाद कर दिया है। इसे कुछ यों भी देख सकते हैं कि वे स्त्रियां जो घर के बाहर काम कर रही है, वे घर में काम करने वाली स्त्रियों के सामने चुनौती हैं।

हमने बचपन से सुन रखा है कि एक उम्र के बाद लड़कियों को घर संभालने का काम सीख लेना चाहिए, क्योंकि लड़कियों को दूसरे के घर जाना है । आजादी के पचहत्तर साल बाद भी हमारा समाज इस सोच से मुक्त नहीं हुआ है। आज भी हम लड़कों की जगह तुलना में लड़कियों को घर का काम सिखाने में ज्यादा ध्यान देते हैं । परिणामस्वरूप कामकाजी महिलाएं घर और बाहर, दोनों को संभालने की पूरी कोशिश करती हैं, ताकि उनके ऊपर यह इल्जाम न आए कि नौकरी कर रही हैं, तो घर को छोड़ दिया है। एक बड़ी समस्या स्त्रियों के लिए सोशल मीडिया भी है। सोशल मीडिया महिलाओं को सर्वगुण संपन्न नारी की छवि से मुक्त नहीं होने दे रहा है। ऐसे में पुरुष प्रधान समाज को अगर आसानी से सर्वगुण संपन्नता के रोग से ग्रस्त आधी आबादी मिल जाए तो किसका दोष है। जब स्थितियों की इतनी मांग हो तो ऐसे में स्त्रियों को स्वयं को साबित करने के लिए ज्यादा परिश्रम करना पड़ता है। ऐसे में तुर्रा यह कि इतना करने के बाद भी यह सुनना पड़ता है कि आजकल की लड़कियां ज्यादा चालाक हो गई हैं... भोले-भाले लड़कों को फंसा लेती हैं। कई दफा तो ऐसा लगता है कि जो माताएं अपने पुत्रों से अतिरिक्त प्रेम करती हैं और उन्हें अपने और अपने लड़कों के भोलेपन पर इतना नाज है, उन्हें एहतियातन बच्चों को विवाह के लिए ही मना कर देना चाहिए। खुद जब रोटी - दाल पकाने लगेंगे तो औरतों की दोहरे दबाव में घिरी जिंदगी का दर्द समझ में आ जाएगा।

एक समस्या और भी है। आज के समय की स्त्रियां दो स्तर पर कार्य कर रही हैं। एक कि वे स्वयं को साबित करने में लगी हैं, दूसरी कि वे अपनी आजादी को भी जीना चाहती हैं। इन दोनों दबावों से निजी जिंदगी में विरोधाभास पैदा होना स्वभाविक ही है । यह विरोधाभास और भी प्रबल तब हो जाता है जब आज के समय में सबको पढ़ी-लिखी आधुनिक बहू और पत्नी तो चाहिए, मगर वह उसकी आजादी को एक सीमा में ही बांध कर रखना चाहता है ।

ऐसे में अक्सर लोग मुट्ठी भर स्त्रियों का उदाहरण प्रस्तुत करके हर महिला की आजादी को एक ही पैमाने पर तौल देते हैं। समस्या यह है कि जब यहां एक घर से दूसरे घर में आजादी के मायने बदल जाते हैं तो इतने सारे सामाजिक वर्गीकरण में सभी महिलाओं की आजादी को हम एक ही चश्मे से कैसे देख सकते हैं ! ऐसे में आज पुरानी पीढ़ी की महिलाओं को अपने घर की नई पीढ़ी की महिलाओं के लिए नए नजरिए की जरूरत है।

-विजय गर्ग

राय

ओलिम्पिक के दौरान दिखाई दी मानवता

जूलियो रिबैरो

मेरे लिए हाल ही में सम्पन्न ओलिम्पिक खेलों से सबसे बड़ी उपलब्धि 2 महिलाओं, 2 माताओं की आवाज थी, जिनमें से एक भारतीय और दूसरी पाकिस्तानी थी। रजिया परवीन, जिनके बेटे अरशद नदीम ने भाला फैंक में स्वर्ण पदक के लिए हमारे हीरो नीरज चोपड़ा को पछाड़ दिया, को जब बताया गया कि उनके बेटे ने प्रतियोगिता जीत ली है, तो उन्होंने कहा कि नीरज भी उनका बेटा है और अगर परिणाम उलट होता तो भी उन्हें उतनी ही खुशी होती।

एक मां के लिए यह कहना एक बहादुरी की बात थी। लेकिन दूसरी महिला ने भी कुछ ऐसा ही विचार व्यक्त किया। नीरज की मां सूरज देवी ने कहा कि अरशद भी उनका बेटा है। 2 पड़ोसी देशों की 2 मांएं, जो 75 वर्षों से चली आ रही बैरिकेडिंग सीमा और आपसी दुश्मनी से अलग हैं, न केवल खेलों में अपने-अपने बेटों के प्रदर्शन से खुश और गौरवान्वित थीं बल्कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने एक गरिमा और शालीनता का प्रदर्शन किया, जो केवल बुद्धिमत्ता और सज्जनता ही पैदा कर सकती है। अगर 2 लगातार युद्धरत देशों के आम नागरिक एकजुट हो जाएं और अपने शासकों के विचारों और कार्यों में कुछ समझदारी ला सकें, तो गरीबी और दुख, जो वर्तमान में उनकी आबादी के एक बड़े हिस्से का भाग हैं, से लड़ा जा सकता है और उस पर विजय पाई जा सकती है। इस तरह के परिवर्तन का नतीजा राष्ट्रों के समुदाय में स्वर्ण और रजत की स्थिति में तो नहीं आएगा, लेकिन निश्चित रूप से इतना अच्छा होगा कि दोनों को उच्च स्थान मिल सके। मजबूत अर्थव्यवस्था के साथ भारत निश्चित रूप से वहां पहुंच जाएगा।

रजिया परवीन ने नीरज को पाकिस्तानी पंजाब के खानेवाल जिले के मियां चन्नू गांव में अपने घर आमंत्रित किया है। अगर वह प्रस्ताव स्वीकार करता है तो क्या पाकिस्तान सरकार उसे वीजा देगी? यह अरबों डालर का सवाल है, जिसका जवाब देना बहुत मुश्किल है। रोमानिया में मेरे कार्यकाल के दौरान पाकिस्तान के राजदूत की एक स्कूल जाने वाली बेटी थी, जिससे मेरी मुलाकात तब हुई जब मैं और मेरी पत्नी उनके घर पर रात्रि भोज के लिए आमंत्रित किए गए थे। 30 साल बाद मुझे उस लड़की का एक ईमेल मिला जिसमें बताया गया था कि वह एक विदेशी भूमि पर कार्यरत थी, जहां उसकी मुलाकात भारत के एक हिंदू सहकर्मी से हुई और उसने उससे विवाह कर लिया। वे अपने-अपने जीवनसाथी के माता-पिता से मिलना चाहते थे, लेकिन उन्हें वीजा प्राप्त करने में कठिनाई हो रही थी। क्या मैं मदद कर सकता हूं? मैंने उस समय की विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को पत्र लिखा। वह पंजाब के दिनों से मेरी पुरानी परिचित थीं। एक विनम्र महिला, उन्होंने अगले ही दिन जवाब दिया कि उन्होंने अपने मंत्रालय को प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया है। उसके बाद मुझे उस अनुरोध के बारे में कुछ नहीं पता चला, न तो मंत्रालय से और न ही मेरे युवा पाकिस्तानी मित्र से।

बंगलादेश के इस माइक्रो-क्रैडिट जादूगर को अब अपनी मातृभूमि में सरकार चलाने का कठिन काम सौंपा गया है, लेकिन उन्हें पता है कि उनका प्राथमिक कार्य बंगलादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं को खत्म करने पर आमादा अपने देश के धार्मिक चरमपंथियों की प्रवृत्तियों पर लगाम लगाना है। उन्होंने अपने अंतरिम प्रशासन में उनके प्रतिनिधियों को शामिल किया है, शायद उग्रवादियों को खुश करने के लिए। व्यक्तिगत रूप से, मुझे संदेह है कि यह कारगर होगा। सभी धर्मों के धार्मिक चरमपंथी किसी भी देश में खतरा हैं और बंगलादेश के कट्टरपंथी हसीना के शासन के 15 वर्षों के बाद खुद को बेकाबू पाते हैं। यह उन्हें दोगुना खतरनाक बनाता है। दुनिया भर के मानवतावादियों के लिए यह भावनात्मक रूप से संतोषजनक है कि जब इन चरमपंथियों ने हिंदू मंदिरों और हिंदू घरों को नष्ट करने की धमकी दी, तो भारत की मित्र शेख हसीना को सत्ता से हटाने वाले छात्रों ने खुद ही मंदिरों, घरों और दुकानों को धर्म-प्रेरित बर्बरता से बचाने के लिए एक जागरण अभियान शुरू किया और स्वयंसेवकों को तैनात किया।

आधुनिक लोकतंत्रों में असहमति को लंबे समय तक दबाना ठीक नहीं

सुहासिनी हैदर

इस दशक की शुरूआत से ही भारत को पड़ोस में एक के बाद एक झटके लगे हैं। यदि 2021 में, म्यांमार में तख्ता पलट हुआ और अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा हुआ, तो 2022 में पाकिस्तान में प्रधानमंत्री इमरान खान को पद से हटा दिया गया और दंगे हुए।

इस दशक की शुरूआत से ही भारत को पड़ोस में एक के बाद एक झटके लगे हैं। यदि 2021 में, म्यांमार में तख्ता पलट हुआ और अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा हुआ, तो 2022 में पाकिस्तान में प्रधानमंत्री इमरान खान को पद से हटा दिया गया और दंगे हुए। श्रीलंका में गोटबाया राजपक्षे को देश से बाहर कर दिया। तब से कुछ अन्य घटनाएं हुई हैं। मालदीव में नाटकीय चुनावी बदलाव, जिसने भारत के प्रति अधिक अनुकूल सोलिह सरकार को बाहर कर दिया, जबकि नेपाल में ओली सरकार को लाया गया। बंगलादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के नाटकीय प्रस्थान और उनके भारत आगमन का सदमा और भी अधिक स्पष्ट है, क्योंकि नई दिल्ली ने हसीना सरकार में कितना भारी निवेश किया है। अब हसीना को अपने उत्तराधिकारियों तक पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। यदि पिछले कुछ वर्षों में यह प्रवृत्ति रही है, तो भारत के लिए क्या सबक हैं जो उसे दक्षिण एशिया में कट्टरपंथी बदलावों के प्रभाव से बचाने में मदद कर सकते हैं?

भारत के लिए शायद पहला बड़ा सबक यह है कि सरकार को अपने पड़ोस में होने वाली घटनाओं से झपकी लेते हुए नहीं पकड़ा जा सकता। बंगलादेश में भारत की उपस्थिति, चटगांव, राजशाही, खुलना और सिलहट में 4 वाणिज्य दूतावासों के अलावा, ढाका में उच्चायोग और वहां विभिन्न परियोजनाओं पर काम करने वाली कई एजैंसियों के साथ, यह सुनिश्चित करना चाहिए था कि हसीना सरकार के खिलाफ गुस्से का आधार अच्छी तरह से प्रलेखित था। केवल पिछले कुछ महीनों में नहीं, बल्कि पिछले कुछ वर्षों में इसे देखा गया।

स्पष्ट संकेतों के बावजूद कि अवामी लीग सरकार एक सत्तावादी, एकल पार्टी शासन में तबदील हो रही थी जिसने अपने अधिकांश राजनीतिक विरोधियों को जेल में डाल दिया, छापे मारे या निर्वासन में भेज दिया, और नागरिक समाज के विभिन्न वर्गों को अलग-थलग और परेशान किया, नई दिल्ली ने कुछ नहीं किया। इसके अलावा, भारत के राजनयिकों की विपक्ष के साथ निकट संपर्क रखने में विफलता, बंगलादेश नैशनलिस्ट पार्टी (बी.एन.पी.) के नेताओं को दौरे की अनुमति देने से इंकार करना और एक अवसर पर हसीना सरकार के अनुरोध पर बी.एन.पी. के एक ब्रिटिश वकील को निर्वासित करना भी शामिल है।

राजनीतिक बाड़ के केवल एक तरफ होने के साऊथ ब्लॉक के फैसले को रेखांकित किया गया। कई बार, इतिहास द्वारा ऐसी एकतरफा भागीदारी की मांग की जाती है। जबकि खालिदा जिया के अधीन बी.एन.पी. का कार्यकाल वह समय था जब भारत-बंगलादेश के बीच तनाव गंभीर था, खासकर आतंकवाद और सीमा पर हत्याओं के मुद्दे पर। भारत पड़ोस में मुख्य विपक्षी दल (बी.एन.पी.) को लंबे समय तक नजरअंदाज नहीं कर सकता। अफगानिस्तान में भारतीय मिशनों पर घातक हमलों में इसके नेताओं की संलिप्तता के बावजूद, तालिबान के साथ संबंध मजबूत करने का भारत का निर्णय

एक तरफा रहा।

भारत को अपने अधिकांश पड़ोस में हुए बदलावों से सबक लेना चाहिए। मालदीव में, तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद (इबू) सोलिह को भारत का पूर्ण समर्थन और मोहम्मद मुइज्जू को भारत विरोधी नेता के रूप में पेश करना उस समय विफल हो गया जब चुनावी माहौल बदल गया। भले ही भारत को एक कड़वी गोली पीनी पड़ी और द्वीपों से अपने सैनिकों को वापस लेना पड़ा। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस सप्ताह अपनी यात्रा के दौरान मुइज्जू सरकार के साथ घनिष्ठ जुड़ाव की मांग की।

यदि नई दिल्ली अपने 'बाहुबल' दृष्टिकोण को त्याग दे और अपने पड़ोस की गतिविधियों को व्यापक बना दे, तो ऐसे कठिन सबक से बचा जा सकता है। एक-दलीय शासन की स्थिरता के बजाय, नई दिल्ली को अपनी सीमाओं के भीतर और बाहर राजनीतिक विचारों की बहुलता का समर्थन करना चाहिए। काबुल के पतन के बाद, नई दिल्ली ने एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में अपनी प्रतिष्ठा खो दी जब उसने तालिबान से भाग रहे सैंकड़ों अफगानों को वीजा देने से इंकार कर दिया। पिछले अफगान प्रतिष्ठान में कई वरिष्ठ रक्षा और सुरक्षा अधिकारी थे जिन्होंने भारतीय राजनयिकों को सुरक्षित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से अपनी जान जोखिम में डाल दी थी। दक्षिण एशिया में नेता अक्सर सत्ता खो देते हैं और कुछ समय बाद वापस लौट आते हैं। नई दिल्ली ने शेख हसीना को कोई अन्य सुरक्षित ठिकाना मिलने तक भारत में रहने की अनुमति देकर अच्छा किया है, क्योंकि उनसे मुंह मोडना विश्वासघात होता।

एक अन्य सबक जो सरकार को देर-सवेर सीखना चाहिए, वह यह है कि पड़ोस से संबंधों को सांप्रदायिक संबंधों तक सीमित करना एक गलती है। दक्षिण एशिया धार्मिक बहुसंख्यकों का क्षेत्र है, जहां विभिन्न देशों में ङ्कषहदू, मुस्लिम और बौद्ध आबादी का बड़ा हिस्सा हैं। यह धारणा कि अच्छे संबंध किसी भी तरह से धर्म से जुड़े हुए हैं, दोषपूर्ण है। हिंदू-बहुसंख्यक नेपाल इनमें से एक रहा है। अंत में, न केवल नई दिल्ली बल्कि सभी दक्षिण एशियाई राजधानियों को पिछले कुछ वर्षों की उथल-पुथल और चुनाव परिणामों से कुछ सामान्य सबक पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। आधुनिक लोकतंत्रों में, असहमति को दबाना लंबे समय तक टिकाऊ नहीं है।

विरोध प्रदर्शन करना एक वैध अधिकार मगर आम जनता परेशान न हो

कोलकाता के एक अस्पताल परिसर में डाक्टर के साथ हुए क्रूर बलात्कार और हत्या के विरोध में कई शहरों और कस्बों के जूनियर डाक्टर हड़ताल पर हैं। हजारों निर्धारित सर्जरियां स्थगित कर दी गई हैं और देश भर के सैंकड़ों अस्पतालों और डिस्पैंसरियों में बाह्य रोगी विभाग बंद पड़ा है, जिससे मरीजों को परेशानी हो रही है। चंडीगढ़ की जिला अदालतों में प्रैक्टिस करने वाले वकील हाल ही में किराए से जुड़े विवादों को कार्यकारी के पास स्थानांतरित करने के विरोध में 3 सप्ताह के लिए हड़ताल पर चले गए। फिर से सैंकड़ों मामलों में निर्धारित सुनवाइयां स्थगित करनी पड़ीं और वादियों को बिना किसी गलती के परेशान होना पड़ा। इस महीने की शुरूआत में पंचकूला में सफाई कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी थी, जिससे पूरे शहर में कचरा जमा हो गया और गंदी बदबू फैल गई।

सार्वजनिक परिवहन चालकों के आंदोलन पर जाने या किसी न किसी कारण से विरोध करने वालों द्वारा ट्रेनों को रोकने की घटनाएं अक्सर हुई हैं। बच्चों और बुजुर्गों सहित यात्रियों को घंटों या यहां तक कि कई दिनों तक फंसे रहना पड़ता है क्योंकि समाज का कोई वर्ग या कर्मचारी अपना विरोध दर्ज कराना चाहते हैं। उपरोक्त सभी मामलों और सैंकड़ों अन्य मामलों में, सरकार की कथित मूर्खता या शिकायतों को सुनने में सरकार की अनिच्छा के कारण आम लोगों को ही कष्ट उठाना पड़ता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अस्पतालों और अन्य कार्यस्थलों पर जूनियर डाक्टरों और कर्मचारियों की सुरक्षा जैसी कुछ शिकायतें वास्तविक हैं और सरकार को कार्यस्थलों पर पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने के लिए शीघ्रता से कार्य करना चाहिए।

हालांकि, आम लोगों को, जो ऐसी सुरक्षा प्रदान करने या प्रदर्शनकारियों की मांगों के बारे में कुछ भी करने की स्थिति में नहीं हैं, इस स्थिति में डालना बिल्कुल भी उचित नहीं है। यदि प्रदर्शनकारी चाहते हैं कि सरकार कार्रवाई करे, तो उन्हें सरकार को जवाबदेह ठहराना चाहिए, राजनीतिक नेताओं के कार्यालयों और घरों के बाहर विरोध प्रदर्शन करना चाहिए और यदि आवश्यक हो, तो उन लोगों द्वारा आयोजित समारोहों या कार्यक्रमों में घेराव और नारे लगाने चाहिएं जो उनकी मांगों को पूरा करने के लिए जिम्मेदार हैं या स्थिति में हैं। लगभग सभी ऐसे नेता सड़क अवरोधों और विरोध प्रदर्शनों से अप्रभावित रहते हैं क्योंकि वे विमानों या वाहनों के काफिले में सुरक्षा घेरे में घूमते हैं। कुछ साल पहले, हजारों किसानों ने एक लंबा विरोध प्रदर्शन किया था जो एक साल से अधिक समय तक चला था। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करने वाले राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया।

लाखों यात्रियों को असुविधा हुई और उन्हें वैकल्पिक और लंबे मार्गों से जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने एंबुलैंस और अन्य आपातकालीन सेवाओं को भी संचालित नहीं होने दिया। एक साल से अधिक समय के बाद आखिरकार नाकाबंदी हटा ली गई जब 3 विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस ले लिया गया। यह एक अपवाद हो सकता है जहां लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन ने सरकार को पीछे हटने के लिए मजबूर किया। हालांकि, अधिकांश मामलों में ऐसे विरोध विवादों का समाधान नहीं लाते हैं, लेकिन निश्चित रूप से जनता के लिए बहुत असुविधा और उत्पीडन का कारण बनते हैं। हाल ही में किसानों का एक और समूह शंभू सीमा पर राजमार्ग को अवरुद्ध कर रहा था।

हरियाणा पुलिस ने किसानों को दिल्ली जाने से रोकने के प्रयास में, खुद ही सड़कें खोद दीं और किसानों को अपने ट्रैक्टर और ट्रॉलियों को राष्ट्रीय राजधानी में ले जाने से रोकने के लिए लोहे की कीलें लगा दीं। सौदेबाजी में फिर से आम आदमी को असुविधा हुई और उसे दिल्ली पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़े। इस बार सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा और पंजाब व हरियाणा सरकारों से कम से कम शंभू सीमा को आंशिक रूप से फिर से खोलने के लिए कहा।

अदालत ने निर्देश दिया कि 'एम्बुलैंस, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, छात्रों और आवश्यक सेवाओं के लिए मार्ग सुनिश्चित करने' के लिए एक समिति बनाई जाए। इससे पहले पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने किसानों और अन्य लोगों को राष्ट्रीय राजधानी की यात्रा करने से रोकने हेतु सड़क अवरोध स्थापित करने के लिए हरियाणा सरकार को फटकार लगाई थी। न्यायालय ने किसानों से यह भी कहा कि राजमार्ग का मतलब ट्रैक्टरों और ट्रॉलियों के लिए पार्किंग स्थल नहीं है। यह संदिग्ध है कि क्या किसी अन्य देश में जनता को बंधक बनाकर इस तरह के लगातार और इतने लंबे विरोध प्रदर्शन किए जाते हैं। हमारे लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन करना एक वैध अधिकार है, लेकिन प्रदर्शनकारियों को यह ध्यान में रखना चाहिए कि जब वे उनके लिए कुछ भी करने में असहाय हों तो आम लोगों को परेशानी में डालना निरर्थक है।

-विपिन पब्बी

रक्षाबंधन पर अपनी बहन को दें वित्तीय सुरक्षा, तोहफे में दें एफडी- एनपीएस जैसे गिफ्ट

परिवहन विशेष न्यूज

इस साल रक्षाबंधन (रक्षा बंधन 2024) पर अपनी बहन की रक्षा के साथ उसे वित्तीय तौर पर मजबूती के लिए कई फाइनेंशियल गिफ्ट दे सकते हैं। ये सभी गिफ्ट आपकी बहन के फ्यूचर को सिक्योर करने और आर्थिक तौर पर मजबूत करने में मदद करेगी। आप अपनी बहन को एफडी गोल्ड ईटीएफ हेल्थ इंश्योरेंस जैसे वित्तीय उपहार दे सकते हैं।

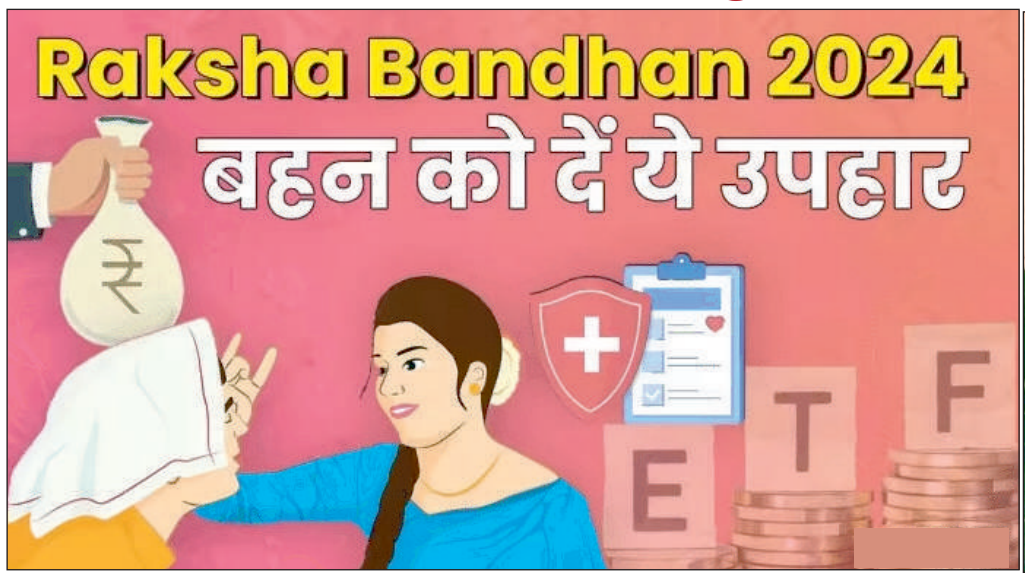

नई दिल्ली। 19 अगस्त 2024 (सोमवार) को रक्षाबंधन (Raksha Bandhan 2024) का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। रक्षाबंधन के दिन भाई अपनी बहन को रक्षा का वचन देता है। इस वचन में वित्तीय सुरक्षा (Financial Security) भी शामिल है। आप अपनी बहन को वित्तीय सुरक्षा के तौर पर एफडी (FD), हेल्थ इंश्योरेंस (Health Insurance) जैसे कई उपहार दे सकते हैं।

आज हम आपको बताएंगे कि आप रक्षाबंधन के अवसर पर अपनी बहन को कौन-से वित्तीय उपहार दें जो उनके भविष्य को सुरक्षित रखेगा।

फिक्स्ड डिपॉजिट (Fixed Deposit)

आप अपने बहन के नाम फिक्स्ड डिपॉजिट भी करवा सकते हैं। एफडी निवेश के लिए काफी पॉपुलर ऑप्शन है। यह भविष्य में आपकी बहन को वित्तीय तौर पर मदद करेगा। एफडी में निश्चित राशि पर रिटर्न मिलता है जो आपकी बहन के फायदेमंद साबित होगा।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड एक लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट स्कीम है। वैसे तो इसका मैच्योरिटी टेन्योर15 साल का है, लेकिन आप इसे आगे भी बढ़ा सकते हैं। पीपीएफ में निवेश करने पर टैक्स बेनिफिट (Tax Benefit) भी मिलता है। इसमें न्यूनतम 500 रुपये से 1.5 लाख रुपया तक का सालाना निवेश करना होता है। अपनी बहन को पीपीएफ का उपहार देकर आपके उसके फ्यूचर को सिक्योर कर सकते हैं। मैच्योरिटी के बाद आपकी बहन के पास मोटा फंड होगा तो उसे वित्तीय तौर पर सहायता करेगा।

हेल्थ इंश्योरेंस (Health Insurance)

बीमारी कभी भी बता कर नहीं आती है। ऐसे में अपनी बहन की सेहत का ध्यान रखते हुए आप उसे इस रक्षाबंधन हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी (Health Insurance Policy) गिफ्ट कर सकते हैं। आपको कम से कम 5 लाख रुपये का कवरेज वाला इंश्योरेंस देना चाहिए। इसके अलावा आप ऐसी पॉलिसी चुनें जिसमें कैशलेस ट्रीटमेंट के साथ डॉक्टर की सलाह, अस्पताल में भर्ती, दवाईयों आदि चिकित्सा खर्चे शामिल हो।

दरअसल, हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी आपात स्थिति में आपकी बहन को वित्तीय तौर पर सिक्योर करेगा।

गोल्ड ईटीएफ (Gold ETF)

भारतीय महिला को सोना बहुत पसंद आता है, लेकिन फिजिकल गोल्ड की सिक्योरिटी का भी टेंशन रहता है। ऐसे में आप अपनी बहन को गोल्ड का कुछ देना चाहते हैं तो आप गोल्ड ईटीएफ का ऑप्शन सेलेक्ट कर सकते हैं। हालांकि, गोल्ड ईटीएफ खरीदने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आपकी बहन के पास डीमैट अकाउंट (Demat Account) हो। बिना डीमैट अकाउंट और ट्रेडिंग अकाउंट (Trading Account) के आप गोल्ड ईटीएफ नहीं खरीद सकते हैं।

गोल्ड ईटीएफ डिजिटल गोल्ड (Digital Gold) होता है। इस वजह से इसमें खोने या चोरी होने का खतरा नहीं रहता है साथ ही इसमें फिजिकल गोल्ड की तुलना में मेकिंग चार्ज (Making Charge) भी काफी कम लगता है।

इमरजेंसी फंड (Emergency Fund)

इमरजेंसी फंड भी आपात स्थिति में बहुत मददगार साबित होती है। यह नौकरी खो जाने, मेडिकल इमरजेंसी जैसी स्थिति में काफी हेल्प करता है। अगर आपकी बहन के पास कोई इमरजेंसी फंड नहीं है तो आप उसे रक्षाबंधन पर इमरजेंसी फंड गिफ्ट कर सकते हैं।

नेशनल पेंशन स्कीम (National Pension Scheme)

नेशनल पेंशन स्कीम (NPS) के जरिये आप अपनी को पेंशन का लाभ दे सकते हैं। दरअसल, एनपीएस में रिटायरमेंट के बाद पेंशन का लाभ मिलता है। यह रिटायरमेंट के बाद नियमित इनकम सोर्स की तरह काम करता है जो कि वित्तीय तौर पर मददगार है। अगर आपकी बहन ने रिटायरमेंट स्कीम (Retirement Scheme) में निवेश नहीं किया है तो रक्षाबंधन गिफ्ट में एनपीएस भी अच्छा ऑप्शन रहेगा।

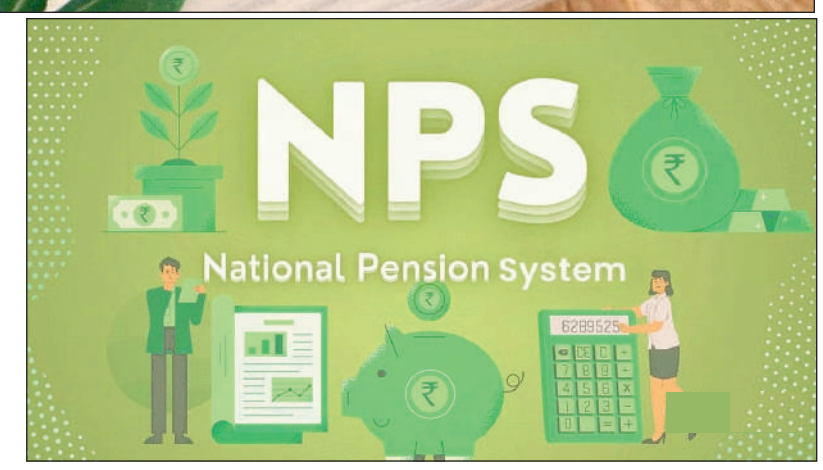

एक दशक में दोगुना बढ़ा LPG कनेक्शन, इथेनॉल ब्लेंडिंग और PNG में भी हुई शानदार बढ़ोतरी

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एलपीजी कनेक्शन पीएनजी और इथेनॉल ब्लेंडिंग में हुई तेजी को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट शेयर किया। इस पोस्ट में मंत्री ने बताया कि पिछले एक दशक में पीएनजी 5 गुना एलपीजी कनेक्शन दो गुना और इथेनॉल ब्लेंडिंग में 10 गुना की तेजी देखने को मिली है। इस तेजी से साफ पता चलता है कि भारत ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है।

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भारत में पाइप्ड गैस कनेक्शन की संख्या पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि साल 2014 में पाइप्ड गैस कनेक्शन की संख्या 25 लाख थी जो 2024 बढ़कर 1.32 करोड़ हो गई है।

इससे संबंधित हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट किया। अपने पोस्ट में मंत्री ने कहा कि नागरिकों के लिए ऊर्जा स्वतंत्रता के पांच रास्ते साझा हो गए हैं। भारत की रिफाइनिंग क्षमता भी 2014 में 215 मिलियन से बढ़कर 256.8 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (MMTPA) हो गई है।

पुरी ने अपने पोस्ट में कहा कि पिछले एक दशक में प्रमुख सुधारों होने के बाद एनर्जी सेक्टर को नया आकार मिला है। इससे एनर्जी की उपलब्धता, सामर्थ्य और स्थिरता में वृद्धि हुई है।

एलपीजी कनेक्शन में वृद्धि

हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग 2014 में 1.53 फीसदी की तुलना में 2024 में बढ़कर 15 फीसदी हो गया है।

एलपीजी कनेक्शन में वृद्धि पर प्रकाश डालते हुए पुरी ने कहा कि 2014 में केवल 14.52 करोड़ एलपीजी यूजर्स थे। 1 अगस्त, 2024 तक इनकी संख्या 32.73 करोड़ से ज्यादा सक्रिय एलपीजी कनेक्शन हैं। इनमें 10.33 करोड़ प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना (Pradhan Mantri Ujjwala Yojana) कनेक्शन शामिल हैं।

पुरी ने बताया कि नेचुरल गैस पाइपलाइन नेटवर्क 2014 में 15,000 किलोमीटर से बढ़कर 2024 में 24,881 किलोमीटर हो गया।

फ्यूल की कीमतों पर मंत्री ने कहा कि भारत कई कदम उठाकर ईंधन की बढ़ती कीमतों से खुद को बचाने में सक्षम रहा है, जिसमें केंद्र सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूटी में कटौती भी शामिल है। जनवरी 2022 और जुलाई 2024 के बीच भारत ने सफलतापूर्वक ईंधन की कीमतों को स्थिर बनाए रखा, जबकि कई उन्नत देशों में फ्यूल की कीमतों ने आसमान छू लिया था।

14 अगस्त 2024 को पुरी ने कहा था कि पेट्रोनेट एलएनजी के दहेज टर्मिनल (Petronet LNG's Dahej Terminal) की कैपेसिटी 17.5 एमएमटीपीए से बढ़ाकर 22.5 एमएमटीपीए की जा रही है। इससे साफ पता चल रहा है कि भारत ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

ओला इलेक्ट्रिक के शेयर में तेजी जारी, शुक्रवार के कारोबारी सत्र में करीब 16 फीसदी चढ़ा स्टॉक

परिवहन विशेष न्यूज

ओला इलेक्ट्रिक शेयर पिछले हफ्ते शेयर बाजार में ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयर (ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी शेयर) के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हुए थे। लिस्टिंग के बाद कंपनी के स्टॉक अपर सर्किट को टच कर रहे थे। आज भी शुरुआती कारोबार में कंपनी के शेयर लगभग 16 फीसदी चढ़ गए थे। चालू कारोबारी साल की पहली तिमाही में कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू में इजाफा हुआ है।

नई दिल्ली। लिस्टिंग के बाद से ओला इलेक्ट्रिक के शेयर में शानदार तेजी आई है। इस हफ्ते के 3 सत्र से बाजार ने अपर सर्किट लिमिट को टच किया था। आज भी शुरुआती कारोबार में ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयर (Ola Electric Mobility Share) 16 फीसदी चढ़ गए।

बीएसई पर कंपनी के शेयर 15.77 फीसदी चढ़कर 128.09 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे। एनएसई पर ओला इलेक्ट्रिक शेयर 15.59 फीसदी की तेजी के साथ 128.20 रुपये प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहे हैं। शेयरों में आई तेजी के बाद बीएसई वेबसाइट के अनुसार ओला इलेक्ट्रिक का एम-कैप (Ola Electric M-Cap) 58,558.18 करोड़ रुपये हो गया है।

शेयरों में तेजी की वजह

ओला ग्रुप ने घोषणा की है कि वह इलेक्ट्रिक मोटरलाइकिल सेगमेंट में 3 मॉडल लॉन्च करेंगे। इसके अलावा 2 मॉडल पाइपलाइन में है, यानी जल्द ही कंपनी 2 और मॉडल लॉन्च कर सकता है।

नए मॉडल के साथ कंपनी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष में कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 1,644 करोड़ रुपये हो गया जो पिछले कारोबारी साल के समान तिमाही में 1,243 करोड़ रुपये था। रेवन्यू में आई शानदार तेजी और नए मॉडल लॉन्च की घोषणा के बाद निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ गई।

यह भी पढ़ें: एक दशक में दोगुना बढ़ा LPG कनेक्शन, इथेनॉल ब्लेंडिंग और PNG में भी हुई शानदार बढ़ोतरी

कंपनी के चेयरमैन और सीईओ भवेश अग्रवाल ने तिमाही नतीजों पर रिएक्शन दिया। उन्होंने कहा कि ग्रोथ और मुनाफे को देखें तो पहली तिमाही काफी शानदार रही है।

गुरुवार को ओला के वार्षिक लॉन्च इवेंट संकल्प 2024 में ओला के संस्थापक भाविश अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान में भारत के टू-व्हीलर मार्केट में दो-तिहाई मोटरसाइकिलें शामिल हैं। ऐसे में कंपनी के लिए इस सेगमेंट में प्रवेश करना जरूरी था। ओला-इलेक्ट्रिक ने ईवी-स्कूटर सेगमेंट में सफलता हासिल करने के बाद मोटरसाइकिल सेगमेंट में कदम रख रही है।

इसके अलावा ओला ने कहा कि वह अपने Krutrim Venture के तहत 2026 तक एआई, सामान्य कंप्यूटिंग और Edge के लिए पहला स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित चिप्स बाजार में लाएगा।

टेक्समैको रेल के शेयर में आएगा 35 फीसदी का उछाल? ब्रोकरेज ने बताया नया टारगेट

जून तिमाही में टेक्समैको रेल की ऑर्डर बुक 7460 करोड़ रुपये की थी। इसमें 60 फीसदी हिस्सा वैगन ऑर्डर का है। टेक्समैको की पावर डिवीजन को पिछले दिनों मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन से 240 करोड़ रुपये का ऑर्डर भी मिला है। कंपनी के नेट-कैश में सुधार जारी है। कंपनी अगले महीने तक जिंदल रेल का अधिग्रहण पूरा कर सकती है। इसके लिए उसे 615 करोड़ रुपये देना होगा।

नई दिल्ली। पिछले कुछ समय से रेलवे सेक्टर के शेयरों में सुस्ती देखी जा रही है। खासकर, बजट 2024 में रेलवे सेक्टर के लिए कोई बड़ा एलान नहीं हुआ, इससे भी निवेशकों का मनोबल कमजोर हुआ। रेलवे सेक्टर के कई स्टॉक कुछ स्टॉक में 20 फीसदी का करेक्शन भी हुआ। लेकिन, Texmaco Rail के शेयरों में करीब 35 फीसदी का उछाल आ सकता है।

घरेलू ब्रोकरेज नुवामा इंस्टीट्यूशनल टेक्समैको रेल को लेकर काफी बुलिश है। नुवामा का मानना है कि टेक्समैको के शेयर 35 फीसदी तक का रिटर्न दे सकते हैं। टेक्समैको रेल ने सालाना आधार पर जून तिमाही में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन, तिमाही आधार पर इसके रेवेन्यू और प्रॉफिट दोनों में गिरावट आई है। हालांकि, ब्रोकरेज का मानना है कि वित्त वर्ष की पहली तिमाही ज्यादातर कंपनियों के लिए सुस्त ही रहती है।

टेक्समैको रेल की ऑर्डर बुक दमदार

नुवामा का कहना है कि जून तिमाही में टेक्समैको रेल की ऑर्डर बुक 7,460 करोड़ रुपये की थी। इसमें 60 फीसदी हिस्सा वैगन ऑर्डर का है। टेक्समैको की पावर डिवीजन को पिछले दिनों मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन से 240 करोड़ रुपये का ऑर्डर भी मिला है। कंपनी के नेट-कैश में सुधार जारी है। कंपनी अगले महीने तक जिंदल रेल का अधिग्रहण पूरा कर सकती है। इसके लिए उसे 615 करोड़ रुपये देना होगा।

टेक्समैको रेल का टारगेट प्राइस

नुवामा ने टेक्समैको को 'Buy' रेटिंग दी है और 331 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। टेक्समैको रेल के शेयर शुक्रवार दोपहर तक 2.02 फीसदी उछाल के साथ 250.25 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। कोलकाता मुख्यालय वाली टेक्समैको रेलवे वैगन, कोच और लोकोमोटिव की मैन्युफैक्चरिंग करती है। इसकी सहायक कंपनियों में बेलूर इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, टेक्समैको ट्रांसट्रैक प्राइवेट लिमिटेड, टेक्समैको रेल सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।

एसबीआई ने ग्राहकों को दिया झटका, एमसीएलआर दर में बढ़ोतरी के बाद महंगी हो गई लोन ईएमआई

भारतीय स्टेट बैंक (SBI) मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड-बेस्ड लेंडिंग रेट (MCLR) में संशोधन किया। इस बार भी बैंक ने एमसीएलआर दरों में इजाफा किया है। बैंक ने बताया कि नई दरें 15 अगस्त 2024 से लागू हो गई हैं। बैंक में एमसीएलआर दरों में 10 बेसिस प्वाइंट का इजाफा किया है। एमसीएलआर में बढ़ोतरी होने की वजह से लोन भी महंगा हो गया।

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने 78वां स्वतंत्रता दिवस के दिन लोनधारकों को झटका दे दिया था। दरअसल, बैंक ने मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड-बेस्ड लेंडिंग रेट (MCLR) में बढ़ोतरी की घोषणा की है। बैंक ने बताया कि एमसीएलआर में 10 बेसिस प्वाइंट (0.1 फीसदी प्वाइंट) का इजाफा किया गया है।

MCLR में बढ़ोतरी हो जाने के बाद अब लोन महंगा हो जाएगा। आपको बता दें कि लगातार तीसरी बार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने एमसीएलआर की दरों में बढ़ोतरी की है।

एसबीआई की वेबसाइट पर पोस्ट की गई जानकारी के अनुसार पिछले एक साल की अवधि का एमसीएलआर 8.85 प्रतिशत की पिछली दर के मुकाबले 8.95 प्रतिशत अधिक आंका गया है। एमसीएलआर रेट का इस्तेमाल ऑटो लोन (Auto Loan), पर्सनल लोन (Persoal Loan) जैसे लोन की ईएमआई तय करने के लिए किया जाता है।

MCLR की नई दरें

- तीन साल के लिए एमसीएलआर दर 9 फीसदी से बढ़कर 9.10 फीसदी हो गया।
- दो सास के लिए MCLR रेट 8.95 फीसदी से बढ़कर 9.05 फीसदी हो गया।
- एक महीने के लिए एमसीएलआर रेट 8.35 फीसदी से बदलकर 8.45 फीसदी हो गई।
- तीन महीने के लिए एमसीएलआर दर 8.40 फीसदी से बढ़कर 8.50 फीसदी हो गई।
- छह महीने के लिए एमसीएलआर रेट 8.85 फीसदी हो गया, जो 8.75 फीसदी था।
- ओवरनाइट टेन्योर के लिए एमसीएलआर दर 8.20 फीसदी हो गई, जो 8.10 फीसदी थी।

बैंक ने बताया कि नई दरें 15 अगस्त 2024 से लागू हो गई हैं।

आरबीआई एमपीसी बैठक में इस बार भी रेपो रेट को स्थिर रखने का फैसला लिया गया था। रेपो रेट 6.5 फीसदी पर स्थिर है। एमपीएस बैठक के फैसलों के बाद एसीबीआई ने एमसीएलआर की दरों में बदलाव किया है।

वरिष्ठ नागरिकों का महत्त्व: समाज का अनमोल खजाना (ओल्ड इज गोल्ड)

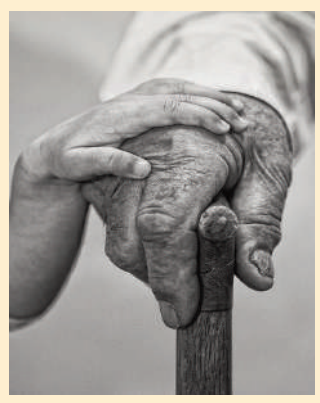

प्रिय पाठकों,

आज के डिजिटल युग में, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) ने हमारी जिंदगी का एक अहम हिस्सा बना लिया है, हमारी युवापीढ़ी धीरे-धीरे हमारी पुरानी परंपराओं और मूल्यों से दूर होती जा रही है। व्हाट्सएप और अन्य डिजिटल माध्यमों ने व्यक्तिगत पत्राचार का स्थान ले लिया है, लेकिन उन लोगों से पूछिए जिन्होंने 80 और 90 के दशक में अपने परिवार को पत्र लिखे थे, वे जानते हैं कि उस समय का अनुभव और भावना कितनी अनमोल थी।

मुझे आज भी याद है जब मैं अपनी छुट्टियों में अपने नानाजी और नानीजी से मिलने जाता था। वे मेरे आने का बेसब्री से इंतजार करते थे। मेरे नानाजी कस्टम नारकोटिक्स ऑफिसर थे और उन्होंने मुझे तस्करी की कई दिलचस्प कहानियां सुनाई थीं। ये कहानियां आज भी मेरे दिल में बसी हुई हैं क्योंकि उनका और मेरा एक गहरा भावनात्मक संबंध था।

मेरे बचपन की सबसे यादगार और प्यारी यादें नानाजी के साथ बिताए गए सुबह के समय से जुड़ी हुई हैं। हर सुबह की शुरुआत उनके साथ होती थी, जब हम दोनों मिलकर शाखा के लिए निकलते थे। वह ताज़ी हवा, सड़कों पर फैला सन्नाटा, और नानाजी के साथ की गई सुबह की सैर, ये सब मिलकर उस समय को बेहद खास बना देते थे।

योगाभ्यास के दौरान नानाजी मुझे सांसों की गिनती से लेकर आसनों की बारीकियाँ सिखाते थे। उनके साथ मिलकर योग करना मेरे लिए शारीरिक और मानसिक ऊर्जा का स्रोत था। उनकी सरल और स्नेहपूर्ण बातें, और जीवन के प्रति उनका दृष्टिकोण, मेरे लिए प्रेरणा का स्रोत थे।

आज की पीढ़ी, व्यस्तता और डिजिटल उपकरणों में उलझी हुई है, जिससे वे अपने बुजुर्गों के साथ समय बिताने में असमर्थ हो गए हैं। लेकिन, मेरा मानना है कि सबसे बड़ा उपहार जो हम अपने दादा-दादी, नाना-नानी या किसी भी वरिष्ठ नागरिक को दे सकते हैं, वह है उनका साथ देना। उनके साथ समय बिताना, उनकी कहानियां सुनना, उनके साथ टहलना, और उनके छोटे-छोटे आनंदों में उनकी मदद करना, ये सब बहुत महत्वपूर्ण है।

मुझे अपने परिवार से बेहद लगाव है और मैं हर संभव प्रयास करता हूँ कि हमारे बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद हम सब पर बना रहे। उनका सानिध्य और मार्गदर्शन हमारे जीवन को संवारता है।

मैं हमेशा यह कोशिश करता हूँ कि जब भी अवसर मिले, हम सभी एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े हों। चाहे वह हमारे ताऊजी, ताईजी, चाचा, चाची, या कोई भी रिश्तेदार हों, हमारी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हम अपने बड़े बुजुर्गों का पूरा साथ दें और उनका सम्मान करें।

जब हम अपने बुजुर्गों के साथ खड़े होते हैं, तो हम न केवल उनका मान बढ़ाते हैं, बल्कि अपने परिवार को भी एकजुट और सशक्त बनाते हैं। यही हमारा कर्तव्य है और यही हमारे रिश्तों की असली खूबसूरती है।

आजकल जब मैं किसी पार्क में जाता हूँ और वहाँ के वरिष्ठ नागरिकों से मिलता हूँ, तो मुझे समझ आता है कि कैसे वे समय के साथ कमजोर हो रहे हैं। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे उपेक्षित न हों। मैं हरियाणा पुलिस फरीदाबाद के वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ समिति का सबसे युवा सदस्य हूँ और मेरे लिए यह सामाजिक जिम्मेदारी और नैतिक मूल्यों का पालन करने का एक अवसर है।

दिल्ली-एनसीआर में कई स्वयंसेवी संस्थाएं हैं जो समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। इनमें से एक बेहद खूबसूरत संस्था है Dakh Foundation, जिसके साथ जुड़ने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस संस्था के एक प्रमुख कार्यक्रम 'ख्याल अपने बुजुर्गों का' के तहत पिछले तीन वर्षों में मैंने कई सुंदर कार्य किए हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से हम बुजुर्गों की देखभाल, उनके सम्मान और उनके जीवन के अनुभवों को संजोने का प्रयास कर रहे हैं।

मुझे गर्व है कि मैंने 'ख्याल अपने बुजुर्गों का सम्मान' परियोजना के तहत 75 वरिष्ठ नागरिकों को एक टॉक शो और रेडियो कार्यक्रम में आमंत्रित किया, जहां उन्होंने अपने जीवन के अनुभव साझा किए। उन्हें सुनना एक अद्भुत अनुभव था।

हमने उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया और हजारों परिवारों को 'आशीर्वाद' ड्राइंग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया, जहां दादा-दादी अपने पोते-पोतियों के साथ मिलकर आशीर्वाद की थीम पर ड्राइंग बनाई।

अब, हमें अपने युवाओं को इस पहल में शामिल करने और समाज में वरिष्ठ नागरिकों और अन्य लोगों के बीच सेतु बनाने के लिए नियमित संवाद और गतिविधियों की आवश्यकता है। हमें अपने बुजुर्गों का समर्थन करना चाहिए और समाज में उनकी अहमियत को समझना चाहिए।

आज, मैं कई ऐसे परियोजनाओं का हिस्सा रहा हूँ, जिनका उद्देश्य बुजुर्गों और बच्चों के बीच सेतु का निर्माण करना है। Global Confederation of NGOs के तहत, मैं भविष्य में भी बच्चों और बुजुर्गों के साथ मिलकर कार्य करना चाहता हूँ। मुझे विश्वास है कि हमारे पाठक, जो भी इस दिशा में कार्यरत हैं, कृपया हमसे संपर्क करें और अपने कार्यों को जीवंत करें।

"बुजुर्गों के प्रति हमारी जिम्मेदारी"

हम किसी बड़े पेड़ या दरख़्त को एक इंसान की तरह आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर नहीं लगा सकते, लेकिन छोटे-छोटे नन्हे पौधों को हम ज़रूर एक जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित कर सकते हैं। आज हमारे समाज में भी कुछ ऐसा ही हो रहा है। जब हम छोटे होते हैं, तो कहीं भी इधर-उधर जा सकते हैं, लेकिन हमारे बड़े बुजुर्ग जिन्होंने अपने जीवन के 50-60 साल किसी एक जगह पर बिताए हैं, उन्हें अचानक अपने बच्चों के साथ गांव या शहर छोड़कर किसी ऐसे शहर में बसना पड़ता है जहां उन्हें कोई नहीं जानता। फिर से उन्हें उस स्थान पर सामंजस्य बिठाने में समय लगेगा। जो लोग खुशकिस्मत होते हैं, उन्हें साथ मिल जाता है, लेकिन जो नहीं होते, वे चुपचाप घुट-घुट कर इस दुनिया को अलविदा कह देते हैं। ऐसे ना जाने कितने उदाहरण हमने अपने समाज में घटित होते हुए देखे हैं।

हम भी तो एक दिन बुजुर्ग होंगे। ज़रा सोचिए, अगर हमसे भी कोई बात ना करे, और हमारे जीवन का एकमात्र साथी सिर्फ मोबाइल ही बन जाए, तो जीते जी इंसान अवसाद में न आए तो कौन आएगा?

आइए, इस दिशा में कुछ सार्थक कार्य करें। अगर हर व्यक्ति थोड़ा भी समय अपने बड़े बुजुर्गों के साथ बिताए, तो हमारे समाज में वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या पर कहीं ना कहीं लगाम लगाई जा सकती है। इसके लिए सोचने से ज़्यादा कार्य करने पर हमें बल देना होगा।

मुझे आज भी याद है, जब मैं 10 साल का था, तब मेरे नाना जी मुझे छोड़कर चले गए थे। आज भी उनका जाना मुझे बहुत दुखी करता है, लेकिन उससे भी ज़्यादा दुख तब होता है जब मैं वृद्धाश्रम में ऐसे ना जाने कितने नाना-नानी, दादा-दादी को देखता हूं। किसी-किसी घर में यह देखा जाता है कि बड़े बुजुर्गों का सम्मान नहीं होता। यह एक दुखद सच्चाई है कि जिन लोगों ने अपना पूरा जीवन परिवार के लिए समर्पित कर दिया, उन्हीं को वृद्धावस्था में उचित मान-सम्मान नहीं मिलता। उन्हें देखकर मन में एक अजीब सी उदासी और तकलीफ होती है।

अगर हम किसी की ज़िंदगी का एक खूबसूरत लम्हा भी बन सकते हैं, तो क्यों ना बने? आइए, इस दिशा में कदम बढ़ाएं और अपने बुजुर्गों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

बुजुर्गों के साथ बिताए अनमोल पल

आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में हम अक्सर अपने बुजुर्गों के साथ समय बिताने की अहमियत भूल जाते हैं। लेकिन यह याद रखना जरूरी है कि हमारे बुजुर्ग हमारी ज़िंदगी का वो अनमोल हिस्सा हैं, जिनसे हम न केवल कहानियाँ सुन सकते हैं, बल्कि जीवन के अमूल्य सबक भी सीख सकते हैं। उनकी कहानियाँ, उनके अनुभव और उनकी जीवन की सीखें हमें वो क्लास सिखाती हैं जो किसी किताब या स्कूल में नहीं मिल सकतीं।

हमारी नानी-दादी के हाथों से बनी हुई चीज़ें, वो हाथों से किया गया काम, उनके अनूठे तरीके, ये सब हमारी धरोहर हैं। क्यों न हम इस धरोहर को सहेजें? अगर हो सके तो उनकी वीडियो बनाएं, उनके ब्लॉग लिखें, उनकी तस्वीरें खींचें, ताकि ये यादें हमेशा हमारे साथ रहें।

आज हम जवान हैं, लेकिन कल जब हम बुजुर्ग होंगे, तो शायद हमारे बुजुर्ग हमारे साथ न हों। इस बात से डरने या सोचने से कोई हल नहीं निकलेगा। हमारे पास जो आज का समय है, हमें उसका सदुपयोग करना चाहिए।

क्योंकि जितनी देर में हम ये बातें लिख रहे हैं, जब तक आप इन्हें पढ़ेंगे, ना जाने कितने बुजुर्ग हमारे जीवन से जा चुके होंगे। हाल ही में मेरे पिताजी, 67 वर्ष की आयु में हमें छोड़कर चले गए। दो घंटे पहले सब कुछ ठीक था और दो घंटे के अंदर बहुत कुछ बदल गया। सुनने और सीखने के लिए बहुत कुछ बाकी था, लेकिन वक्त किसी का इंतजार नहीं करता।

हमें इस घटना से यह प्रेरणा मिलती है कि जो समय हमारे पास है, वह आज का है, और जो कुछ भी हम कर सकते हैं, उसे हमें आज ही करना चाहिए। थोड़ा समय अपने बड़े बुजुर्गों को ज़रूर दें। यह न केवल आपको मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखेगा, बल्कि आपके बुजुर्गों को भी।

बचपन और बुढ़ापा, ये दोनों ही हमारे जीवन के अत्यंत महत्वपूर्ण चरण हैं। बचपन से हमें स्नेह की ताकत मिलती है, और बुजुर्गों से हमें आशीर्वाद।

यदि हम सभी मानसिक और शारीरिक रूप से सुरक्षित रहेंगे, तो निस्संदेह हमारा परिवार, समाज और देश मजबूत बनेगा। शुभकामनाओं के साथ, अपना ख्याल रखें।

आइए, हम सभी मिलकर इस दिशा में और अधिक कार्य करें और समाज को एक बेहतर दिशा में आगे बढ़ाएं।

आपके सुझाव और अनुभवों का स्वागत है।

आपका,
डॉ. अंकुर शरण
indiangreenbuddy@gmail.com

रक्षा - सूत्र (मौली)

रक्षा सूत्र को 'मौली' व 'कलावा' भी कहते हैं। हमारी सनातन संस्कृति में धार्मिक अनुष्ठान हो या पूजा- पाठ, कोई मांगलिक कार्य हो या देवों की आराधना, सभी शुभ कार्यों में हाथ की कलाई पर लाल धागा यानि मौली बांधने की परंपरा है। शास्त्रों में ऐसी मान्यता है कि रक्षा सूत्र बांधने से हम पर त्रिदेवों का आशीर्वाद बना रहता है।

कलावा यानी रक्षा सूत्र बांधने के वैज्ञानिक और धार्मिक दोनों महत्व है-:

वैदिक परंपरा का हिस्सा-:

* रक्षा सूत्र या मौली बांधना वैदिक परंपरा का हिस्सा है. यज्ञ के दौरान इसे बांधे जाने की परंपरा तो पहले से ही रही है, लेकिन इसको संकल्प सूत्र के साथ ही रक्षा-सूत्र के रूप में बांधे जाने की वजह भी है और पौराणिक संबंध भी है।

* मौली एक तरह का संकल्प सूत्र है, इसे बहनें अपने भाई के हाथ पर बांधकर भगवान से उसकी लंबी आयु की कामना करती है और भाई इस संकल्प सूत्र को बंधवा कर उसकी रक्षा व अन्य दायित्वों का संकल्प लेता है।।

मौली का अर्थ-:

* 'मौली' का शाब्दिक अर्थ है 'सबसे ऊपर'. मौली का तात्पर्य सिर से भी है. मौली को कलाई में बांधने के कारण इसे कलावा भी कहते हैं. इसका वैदिक नाम उप मणिबंध भी है. शंकर भगवान के सिर पर चन्द्रमा विराजमान हैं, इसीलिए उन्हें चंद्रमौली भी कहा जाता है।

कैसी होती है मौली-:

* मौली कच्चे धागे से बनाई जाती है। इसमें मूलतः 3 रंग के धागे होते हैं- लाल, पीला और हरा, लेकिन कभी-कभी ये 5 धागों की भी बनती है , जिसमें नीला और सफेद भी होता है 3 और 5 का मतलब कभी त्रिदेव के नाम की, तो कभी पंचदेव।

कहां-कहां बांधते हैं मौली-:

* मौली को हाथ की कलाई, गले और कमर में बांधा जाता है।

* किसी विशिष्ट कामना की सिद्धि के लिए देवी-देवता के स्थान पर भी बांधा जाता है। और कामना पूरी हो जाने पर इसे खोल दिया जाता है।

* मौली घर में लाई गई नई वस्तु को भी बांधा जाता है।

* इसे पालतू पशुओं को भी बांधा जाता है।

मौली बांधने के नियम-:

* पुरुषों और अविवाहित कन्याओं को दाएं हाथ में कलावा बांधना चाहिए।

* विवाहित स्त्रियों के लिए बाएं हाथ में कलावा बांधने का नियम है।

* जिस हाथ में कलावा बंधवा रहे हों, उसकी मुट्ठी बंधी होनी चाहिए व मुट्ठी में अक्षत (चावल) एवं दक्षिणा होनी चाहिए. दूसरा हाथ सिर पर होना चाहिए।

* मौली कहीं पर भी बांधें, एक बात का हमेशा ध्यान रहे कि इस सूत्र को केवल 3 बार ही लपेटना चाहिए।

मौली करती है रक्षा-:

* मौली को कलाई में बांधने पर कलावा या उप मणिबंध कहते हैं. हाथ के मूल में 3 रेखाएं होती हैं जिनको मणिबंध कहते हैं. भाग्य और जीवन रेखा का उद्गम स्थल भी मणिबंध ही है. इन मणिबंधों के नाम शिव, विष्णु और ब्रह्मा हैं. इसी तरह शक्ति, लक्ष्मी और सरस्वती का भी यहां साक्षात वास रहता है. जब कलावा का मंत्र रक्षा हेतु पढ़कर कलाई में बांधते हैं तो ये तीन धागों का सूत्र त्रिदेवों और त्रिशक्तियों को समर्पित हो जाता है, जिससे रक्षा-सूत्र धारण करने वाले प्राणी की सब प्रकार से रक्षा होती है।

क्या कहते हैं शास्त्र-:

* शास्त्रों का ऐसा मत है कि मौली बांधने से त्रिदेव- ब्रह्मा, विष्णु, महेश और तीनों देवियों- लक्ष्मी, पार्वती और सरस्वती की कृपा प्राप्त होती है।

मौली का चिकित्सीय पक्ष-:

* कलाई, पैर, कमर और गले में मौली बांधने के चिकित्सीय लाभ भी हैं. शरीर विज्ञान के अनुसार इससे त्रिदोष यानि वात, पित्त और कफ का संतुलन बना रहता है. ब्लड प्रेशर, हार्टअटैक, डायबिटीज और लकवा जैसे रोगों से बचाव के लिए मौली बांधना हितकर बताया गया है।

रक्षा सूत्र बांधते समय यह मंत्र जप सकते है-:

मंत्र-:

"येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबलः।

तेन त्वाम्-प्रतिबद्धनामि, रक्षे माचल माचलः।।"

अर्थ-:

"जो रक्षा धागा परम कृपालु राजा बलि को बाँधा गया था, वही पवित्र धागा मैं तुम्हारी कलाई पर बाँधता हूँ, जो तुम्हें सदा के लिए विपत्तियों से बचाएगा"।।

आप रक्षाबंधन पर प्लास्टिक से बनी हुई राखियों से बचें। प्लास्टिक की राखीयां खरीदने से अच्छा है कि आप रक्षाबंधन पर मौली अर्थात कलावा बांधे है। क्योंकि 'मौली' का पवित्रता के साथ-साथ धार्मिक व वैज्ञानिक महत्व भी है।।

मोटर कर्मचारी संघ का 78वें स्वतंत्रता दिवस मनाया गिया

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड उडीशा

भुबनेस्वरः अध्यक्ष भागवत चंद्र दास, साधारण संपादक बिप्लब सांखियाल, उपाध्यक्ष एसके सुलेमान, कार्यवाहक अध्यक्ष मनोरंजन कारा, कोषाध्यक्ष जीतेंद्र बेहरा, उपाध्यक्ष सर्वेश्वर मिश्रा, अभिमन्यु त्रिपाठी, एसोसिएशन के कार्यकारी सदस्य बी. दीप्तेंदु शेखर, कृष्णानंद राउत, भोला महंथ उपस्थित थे, 78वें स्वच्छता दिवस सेवानिवृत्ति पर मुख्य अतिथि के रूप में पारिजा ध्वज फहराया गया, उन्होंने देशभक्ति के मुद्दे पर और परिवहन श्रमिकों के लिए नए विषय पर फाइव जेनरेशन मोटर कर्मचारी संघ के वरिष्ठ सलाहकार के रूप में अपना भाषण भी दिया। बस स्टैंड पर शौचालय उपलब्ध कराने का वादा किया ।

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाईबी खुरानिया को ओडिशा का अगला पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड उडीशा

भुबनेस्वरः वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाईबी खुरानिया को ओडिशा का अगला पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया है । 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी को हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा वापस ओडिशा स्थानांतरित कर दिया गया था। बाद में उनके डीजीपी बनने की भी चर्चा चली ।खुरानिया इससे पहले बीएसएफ मुख्यालय में स्पेशल डीजी के पद पर तैनात थे। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने बीएसएफ के विशेष महानिदेशक वाईबी खुरानिया को तुरंत उनके मूल कैडर में बहाल करने के गृह मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी ।राज्य में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद सत्ता गलियारे में बड़ा बदलाव हुआ है । बताया जा रहा है कि आईएएस, आईपीएस की एक नई टीम बनाई गई है, जो नवीन सरकार की समर्थक या पसंद नहीं थे ।

कविता

मैं हारकर भी जीत गया.

मैं हार जाता हूँ,
ऐसे दोहरे चरित्र लिए
घूमते व्यक्तियों से.
जो हार में भी जीत
और जीत में कुटिल
भावाभिव्यक्त होते हैं.
हो भला तकनीक का,
आभारी हूँ तसदिक का
जिसने अपनों को भी,
सत्य का आईना दिखाया.
अभिलेखन (रिकॉर्डिंग)
से खूब दिया परिचय.
स्वयं को चट्टान की तरह
अडिग व मज़बूत बताया.
ख़ुशी मिली थी क्षणिक,
डिगा नहीं था तनिक.
जो वक़्त था वो बीत गया,
आज ऐसा महसूस हुआ,
मैं हारकर भी जीत गया.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023